● वर्ष : 17 ● अंक : 88 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित गुरुवार 15 जनवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

पोंगल पर पीएम मोदी ने तमिल युवाओं से सस्टेनेबल खेती की अपील की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोंगल के अवसर पर तमिल युवाओं से सस्टेनेबल कृषि को अपनाने और पर्यावरण के अनुकूल खेती में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेती को इस तरह विकसित किया जाना चाहिए, जिससे थाली भी भरी रहे, जेब भी भरी रहे और धरती भी सुरक्षित रहे। प्रधानमंत्री ने प्रकृति संरक्षण, जल प्रबंधन, नेचुरल फार्मिंग, एग्रीटेक और वैल्यू एडिशन को आने वाले समय की जरूरत बताते हुए युवाओं से इन क्षेत्रों में नवाचार के साथ आगे आने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री मुरुगन के घर पहुंच की पूजा-अर्चना और बोले, पोंगल अब ग्लोबल त्योहार

आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक अनुष्ठान किए, गोसेवा की और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पोंगल को वैश्विक पर्व बताते हुए कहा कि यह उत्सव किसान, धरती और सूर्य के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है तथा प्रकृति, परिवार और समाज के बीच संतुलन का संदेश देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिल संस्कृति भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा विरासत है और पोंगल जैसे पर्व एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी हैं। आज देशभर के पवित्र सरोवरों, कुओं और नदियों में डुबकी लगाने के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट के धार्मिक स्थानों में भी लोग मकर संक्रांति की पूजा करने से पूर्व स्नान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह व्हाट्स ऐप पर संदेश लिखा, '' सभी देशवासियों को मकर संक्रांति की असीम शुभकामनाएं। तिल और गुड़ की मिठास से भरा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का यह दिव्य अवसर हर किसी के जीवन में प्रसन्नता, संपन्नता और सफलता लेकर आए। सूर्य देव सबका कल्याण करें। मकर संक्रांति पर चित्रकूट के भरतकूप पर पांच दिवसीय मेले की शुरुआत हो गई है। चित्रकूट के रामघाट पर स्नानार्थियों की भीड़ सुबह से जुटी है। भरतकूप पर पांच तीर्थों के पवित्र जल से स्नान की खास मान्यता है। रामचरित मानस के अयोध्याकांड की चौपाई- '' भरतकूप अब कहिहहिं लोगा, अतिपावन तीरथ जल योगा। प्रेम सनेम निमज्जत प्राणी, होईहहिं विमल कर्म मन वाणी।। भरतकूप के महात्म का बोध कराती है। चित्रकूट प्रभु श्रीराम वनवास काल में आए थे। तभी भरत अयोध्या की जनता के साथ भइया राम को मनाने यहां पधारे थे। साथ में राज्याभिषेक के लिए समस्त तीर्थों का जल भी लेकर आए थे। भगवान श्रीराम 14 साल वनवास के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ थे।

अमित शाह, नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह व अन्य ने मकर संक्रांति पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज देशवासियों को मकर संक्रांति शुभकामनाएं दी हैं। शुभकामनाएं देने वालों में विपक्षी नेता और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि ऊर्जा, उमंग और उत्साह के पर्व मकर संक्रांति की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी के जीवन में असीम खुशियाँ और समृद्धि लेकर आए। केंद्रीयमंत्री नितिन गडकरी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि मकर संक्रांति का यह पावन पर्व सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि लेकर आए। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मकर संक्रांति, उत्तरायण, माघ बिहू और पोंगल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये पर्व नवचेतना, शुभ आरंभ और प्रकृति की शाश्वत लय के प्रतीक हैं। ये भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में गहराई से रचे-बसे हैं और एकता में विविधता, संतुलन व सामंजस्य को दर्शाते हैं। अल्पसंख्यक मामलो के मंत्री किरेन रिजिजू, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

डोभाल ने किसके खिलाफ किया बदला लेने का ऐलान?

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने युवाओं से "इतिहास का बदला लेने" का आह्वान किया है। यह उनका व्यक्तिगत विचार नहीं हो सकता है। यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का है। जो बीते बारह वर्षों से सत्ता के शीर्ष पर बैठकर देश की सुरक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने और क्रियान्वय का दायित्व निभा रहे हैं। इसलिए यह सवाल स्वाभाविक है, डोभाल ने बदला लेने की बात किसके खिलाफ कही है? उनके भाषण से ऐसा लग रहा था, 1000 वर्ष पुराने इतिहास के लोग जो मुर्दे के रूप में कब्र में दफन हैं, उनके वारिसों तथा उस धर्म के मानने वाले लोगों से बदला लेने की बात कह रहे हैं। यदि इस सोच से भारत में हिंसा भड़की, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? दरअसल डोभाल अपने भाषण में कहते हैं, बदला कोई अच्छा शब्द नहीं है, लेकिन उसका एक "ह्यूज फोर्स" हो सकता है। यहीं से समस्या शुरू होती है।

इतिहास के अत्याचारों, मंदिरों के विध्वंस, अपमान और गुलामी की पीड़ा का उल्लेख करते हुए जब बदले जैसे शब्द का प्रयोग करते हैं, तो उसका अर्थ केवल प्रतीकात्मक नहीं होता। यह एक भावनात्मक सोच और राजनीतिक संकेत बन जाता है। जिसे अलग-अलग सोच के अनुसार अलग-अलग तरीके से समझा और इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है, इस बदले का लक्ष्य कौन है? इतिहास में जो अत्याचारी हुए हैं, वो वर्तमान में मौजूद नहीं हैं। न अंग्रेज हैं, न मध्यकालीन युग के आक्रांता हैं। ना पुराने राजा-महाराजा हैं। जिन्होंने आम जनता के ऊपर अत्याचार किए थे। ऐसे में बदले की भावना अनिवार्य रूप से आज के समाज में किसी न किसी समुदाय से जोड़ी जा सकती है। यही वह बिंदु है, जहां पर यह बयान बहुत खतरनाक हो जाता है। गौर करने वाली बात यह है, कि पहले जितने आक्रमण हुए हैं, वह सब सत्ता के लिए हुए हैं।

आज भी जो हो रहा है, वह सत्ता में बने रहने और सत्ता पाने के लिए हो रहा है। महबूबा मुफ्ती जैसी नेताओं की प्रतिक्रिया इस आशंका को उजागर करती है, इस तरह के बयान अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत और हिंसा को वैध ठहराने के लिए बदला लेने के लिए दिए जा रहे हैं। यह भी गौर करने योग्य है। यह बयान ऐसे समय आया है जब सत्ता पक्ष लगातार हजारों साल पुराने घावों और यादों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में ला रहा है। सोमनाथ से लेकर विभाजन तक की याद में प्रधानमंत्री के भाषणों और डोभाल के वक्तव्य एक जैसी भाषा और भाव का होना महज संयोग नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है, जहां एक राजनेता का बयान राजनीति के खाते में डाला जा सकता है, वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का कथन राज्य की सोच और दिशा का संकेत है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

बीहू असम का सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजकीय त्यौहार : मोदी

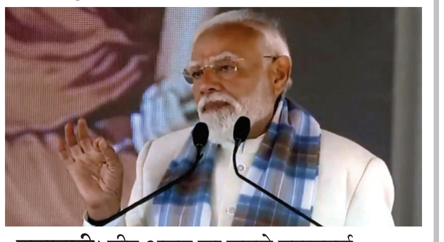

गुवाहाटी। बीहू असम का सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजकीय त्यौहार है। यह मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान उत्सव है, इसमें असम के सभी लोग, चाहे वे किसी भी धर्म या जाति के हों, एक साथ मिलकर मनाते हैं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के लोगों को माघ बीहू के मौके पर शुभकामनाएं देकर कहा कि यह खुशी, स्नेह और भाईचारे का मौका है, जो असमिया संस्कृति की सर्वोत्तम विशेषताओं को दिखाता है। पीएम मोदी ने अपने एक पत्र में कहा कि माघ बीहू का सार संतोष और कृतज्ञता में समाहित है। उन्होंने कहा, '' माघ बीहू के शुभ मौके पर आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं। असमिया संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को समेटे हुए, यह सुंदर त्यौहार वास्तव में आनंद, स्नेह और भाईचारे का मौका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माघ बीहू फसल कटाई के मौसम के समापन का प्रतीक है और यह उन लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है जो लोगों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं, विशेषकर हमारे मेहनती किसान। उन्होंने कहा, यह हमारे बीच उदारता और देखभाल की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। यह माघ बिहू सभी के जीवन में शांति, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लाए।

आतंकी ने उगली आग, कश्मीर भीख मांगने से नहीं, गर्दनें काटने से मिलेगा

जम्मू। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैयबा का कुख्यात और बड़ा कमांडर अबु

मूसा कश्मीरी ने एलओसी के पास नफरती भाषण दिया है। अबु मूसा कश्मीरी ने भारत के खिलाफ खुले तौर पर हिंसा भड़काने वाला बयान दिया। कश्मीर को लेकर उसने कहा कि ये भीख मांगने से नहीं मिलेगा बल्कि गर्दनें काटने से मिलेगा। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के भीतर मौजूद आतंकियों को ऐसा झटका लगा है कि वे इसे भूल नहीं पा रहे हैं। दबाव और नुकसान के बीच अब आतंकी संगठन अपने कैडर को जोड़ने, संगठनों को दोबारा खड़ा करने और पाकिस्तान में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुले मंच से उकसावे वाले बयान दे रहे हैं। अपने भाषण में अबु मूसा ने दावा किया कि उसने पाकिस्तान के पीएम शहबाज को संदेश दिया है कि कश्मीर का मुद्दा सिर्फ जेहाद और आतंकवाद से ही सुलझेगा। यह बयान एक बार फिर उस सच्चाई को उजागर करता है, जिसे भारत लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखता रहा है कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को आतंकवाद के जरिए जिंदा रखना चाहता है। सूत्रों के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले से पहले भी अबु मूसा ने इसी तरह का भड़काऊ बयान दिया था। जांच एजेंसियों का मानना है कि ऐसे भाषण हमलों से पहले माहौल बनाने, कट्टरपंथी युवाओं को उकसाने और हिंसा को वैध ठहराने के लिए दिए जाते हैं। खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि इन दिनों पाकिस्तान में मौजूद हर आतंकी पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर की भाषा और विचारधारा को दोहरा रहा है।

भारतीयों से तुरंत ईरान छोड़ने की विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने परामर्श जारी कर कहा है कि ईरान में चल रहे घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिक अगली सूचना तक वहां की यात्रा से बचें। इससे पहले 5 जनवरी को भी विदेश मंत्रालय ने इस तरह का परामर्श जारी किया था। इसी बीच भारतीय दूतावास ने ईरान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द किसी भी माध्यम से देश से निकलने की सलाह दी है। दूतावास ने कहा, "ईरान में बदलती स्थिति को देखते हुए जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं (छात्र, तीर्थयात्री, व्यापारी और पर्यटक) उन्हें वाणिज्यिक उड़ानों सहित उपलब्ध यातायात के साधनों से ईरान छोड़ने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने सलाह देकर भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के नागरिकों से सावधानी बरतने और विरोध प्रदर्शन स्थलों से बचने को कहा है। इसके अलावा भारतीयों से अपने यात्रा डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने और सहायता के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है। भारतीय दूतावास के इमरजेंसी संपर्क हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं- यह इस प्रकार है मोबाइल नंबरः +989128109115; +989128109109; +989128109102; +989932179359. ईमेलः cons.tehran@mea.gov.in । ईरान में रहने वाले सभी भारतीयों को दूतावास में रजिस्ट्रेशन कराने को कहा गया है। इस लिंक (https://www.meaers.com/request/home) पर ऐसा करें। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद से ईरान में मंहगाई विरोधी प्रदर्शन अब सरकार विरोधी प्रदर्शनों में बदल गए हैं।

अमेरिका-भारत की ट्रेड डील पर हुई सकारात्मक बात, जयशंकर और रुबियो ने तैयार किए विकल्प

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध इस समय एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील मोड़ पर हैं। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में जो तनाव और उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था, अब उसमें सुधार की नई उम्मीदें जागती नजर आ रही हैं। हाल ही में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री (स्टेट सचिव) मार्को रूबियो के बीच फोन पर हुई लंबी बातचीत ने ठप पड़ी ट्रेड डील को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। इस बातचीत का मुख्य केंद्र द्विपक्षीय व्यापारिक गतिरोध को समाप्त करना और भविष्य के लिए एक ठोस आर्थिक ढांचा तैयार करना रहा। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब व्यापारिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच कड़वाहट बढ़ गई थी। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी गई थी, जिससे बाजार और कूटनीतिक गलियारों में चिंता की स्थिति बन गई थी। 13 जनवरी को प्रस्तावित व्यापार वार्ता के आगे न बढ़ने से भी निराशा हाथ लगी थी, लेकिन जयशंकर और रूबियो की इस ताजा चर्चा ने एक बार फिर दोनों देशों को मेज पर ला खड़ा किया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की दिशा में कदम आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार के अलावा दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण खनिज, न्यूक्लियर सहयोग, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को लेकर भी विस्तार से चर्चा की। भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने इस संवाद को अत्यंत सकारात्मक बताते हुए संकेत दिए हैं कि अगले महीने व्यापारिक मुद्दों पर उच्च स्तरीय बैठकों का दौर शुरू हो सकता है। दरअसल, भारत और अमेरिका दोनों ने ही साल 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। व्यापार घाटे को कम करने के लिए भारत ने अमेरिका से ऊर्जा और रक्षा उपकरणों की खरीद बढ़ाने का भरोसा भी दिलाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका नागरिक परमाणु सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक है। अमेरिका चाहता है कि अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में अवसर बढ़ें और जरूरी खनिजों की सप्लाई चेन सुरक्षित रहे।

सोने के बाद अब सबरीमाला मंदिर में घी घोटाला, हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने सबरीमाला मंदिर में आदिया सिष्टम घी की बिक्री से जुड़ी धांधली पर फैसला सुनाते हुए विजिलेंस जांच का आदेश दिया है। इसमें लाखों रुपए की गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। जस्टिस वी राजा विजयराघवन और के वी जयकुमार की युगल पीठ ने सबरीमाला स्पेशल कमिश्नर की रिपोर्ट पर यह फैसला सुनाया। रिपोर्ट में घी की बिक्री से मिले रुपयों की हेराफेरी का जिक्र है और कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए जांच की मांग मंजूर कर ली है। हाईकोर्ट ने बताया कि 17 नवंबर, 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक और 27 दिसंबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक की अवधि में करीब 35 लाख रुपये की धांधली हुई है। विजिलेंस डायरेक्टर को निर्देश दिया गया है कि वे योग्य अधिकारियों की टीम बनाएं और ट्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड के चीफ विजिलेंस एंड सिक्योरिटी ऑफिसर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करें। विजिलेंस टीम को एक महीने के अंदर प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि फाइनल रिपोर्ट कोर्ट की इजाजत के बिना ज्यूरिस्डिक्शनल कोर्ट में दाखिल नहीं की जा सकती है। 14 दिसंबर, 2025 को चीफ विजिलेंस एंड सिक्योरिटी ऑफिसर की इंस्पेक्शन में खुलासा हुआ कि मरामथ बिल्डिंग काउंटर से बेचे गए 16,628 पैकेट्स घी की बिक्री से आया रुपया टीडीबी के अकाउंट में नहीं जमा किया गया।

तीन देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में तीन देशों के राजदूतों की तरफ से दिए गए उनके परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, परिचय पत्र सौंपने वालों में त्रिनिदाद और टोबैगो के उच्चायुक्त चंद्रदथ सिंह, ऑस्ट्रिया के राजदूत डॉ. रॉबर्ट ज़िशग और अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी राजदूतों का स्वागत किया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

लोकसभा अध्यक्ष की केन्या, मालदीव, त्रिनिदाद-टोबैगो और सेशेल्स के संसदीय प्रतिनिधियों से मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने केन्या, मालदीव, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा सेशेल्स के संसदीय प्रतिनिधियों से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और संसदीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक जुड़ाव को बताते हुए भविष्य में इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर प्रतिबद्धता जताई। ओम बिड़ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केन्या की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष डॉ. मोसेस मसिका वेटांगुला से मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा कि उनके साथ गर्मजोशी पूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने भारत और केन्या के साझा ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए महात्मा गांधी के अफ्रीका प्रवास और केन्या में गुजराती समुदाय के योगदान पर चर्चा के बारे में बताया। बिड़ला ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अब बहुआयामी साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसमें उच्चस्तरीय यात्राएं, व्यापार-निवेश और जनसंपर्क शामिल हैं। बिड़ला ने एक अन्य पोस्ट में मालदीव की पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात में भारत-मालदीव के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सम्मान पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला से रक्षा, सुरक्षा, आधारभूत संरचना और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

प्रयागराज माघ मेला-संगम तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, संक्रांति पर डुबकी लगाने की दिखी होड़

एजेंसी। प्रयागराज

संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित वार्षिक माघ मेला अपने सबसे महत्वपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध चरण में प्रवेश कर चुका है। एकादशी के पावन अवसर पर कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद त्रिवेणी संगम के तट पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन मिलन स्थल पर देश के कोने-कोने से आए तीर्थयात्रियों ने आस्था की डुबकी लगाई। पौष पूर्णिमा के सफल आयोजन के बाद अब प्रशासन का पूरा ध्यान 15 जनवरी को होने वाले मकर संक्रांति स्नान पर है, जिसे इस मेले का दूसरा सबसे बड़ा स्नान पर्व माना जा रहा है। 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा के अवसर पर लगभग 31 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया था, लेकिन मकर संक्रांति के लिए यह आंकड़ा एक करोड़ के पार जाने की उम्मीद है। इतनी विशाल भीड़ के प्रबंधन के लिए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों के मुकाबले लगभग तीन गुना अधिक हो सकती है। सुचारू आवाजाही के लिए संगम तट पर करीब 12,100 फीट लंबे स्नान घाट तैयार किए गए हैं। इन घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय और समर्पित रास्तों जैसी बुनियादी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सहायता के लिए पूरे मेला क्षेत्र में गोल्फ कार्ट और बाइक-टैक्सी सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

विधवा बहू को है अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण का हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए विधवा बहू को राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि मनुस्मृति में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि माता, पिता, पत्नी और पुत्र को कभी नहीं छोड़ना चाहिए और ऐसा करने वाले व्यक्ति को दंडित किया जाना चाहिए। इसी सिद्धांत के आधार पर कोर्ट ने माना कि विधवा बहू को अपने ससुर की संपत्ति से भरण-पोषण का हक है। मामला यह था कि यदि बहू ससुर के जीवनकाल में ही विधवा हो जाती है तो उसे भरण-पोषण मिल सकता है, लेकिन यदि ससुर की मृत्यु के बाद वह विधवा होती है तो क्या उसे यह अधिकार मिलेगा? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया था कि ससुर की मृत्यु के बाद विधवा बहू को भरण-पोषण का कोई हक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पति की मृत्यु के समय के आधार पर विधवा बहुओं के बीच भेदभाव करना पूरी तरह से तर्कहीन और असंवैधानिक है। दोनों ही परिस्थितियों में चाहे बहू ससुर के जीवन में विधवा हुई हो या उनकी मृत्यु के बाद उसे भरण-पोषण का पूरा अधिकार है।

खास खबर

दिल्ली ब्लास्ट केसः डॉ. शाहीन समेत पांच आरोपित 3 दिन की एनआईए हिरासत में

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने लाल किला के पास विस्फोट के पांच आरोपितों को तीन दिनों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजु बजाज चांदना ने डॉ. शाहीन सईद के अलावा मुफ्ती इरफान अहमद, जहीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, डॉ. आदिल अहमद और डॉ मुजम्मिल शकील को एनआईए की हिरासत में भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने 18 नवंबर को जहीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को एनआईए हिरासत में भेजा था। एनआईए ने दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया। वह अक्टूबर, 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया था।

केजरीवाल ने मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायणी की बधाई दी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को देशवासियों को मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायणी और माघ बिहू की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इन त्योहारों को एकता, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक बताया। केजरीवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि मकर संक्रांति, पोंगल और उत्तरायणी के इस पावन अवसर पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ये त्योहार सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आएं। केजरीवाल ने असम के लोगों को माघ बिहू की बधाई देते हुए कहा कि इस अवसर पर असम के अपने सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह पवित्र त्योहार सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाए। उन्होंने गुजरातवासियों को उत्तरायण एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सूर्य के उत्तरायण की यह यात्रा सभी के लिए स्वास्थ्य और समृद्धि का उत्सव बने, यही उनकी हार्दिक कामना है। उल्लेखनीय है कि बिहू के दौरान लोग सुबह जल्दी स्नान करते हैं और पारंपरिक असमिया खेल खेलते हैं। इस अवसर पर लोग पारंपरिक असमिया भोजन और मिठाइयां खाते-खिलाते हैं। इस त्योहार को तमिलनाडु में पोंगल, पंजाब में लोहड़ी और भारत के उत्तरी भागों में मकर संक्रांति कहा जाता है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुमाया समूह से जुड़ी संपत्तियों को जब्त किया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुमाया समूह और उससे जुड़ी कंपनियों की 35.22 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने बुधवार को सुमाया समूह और उससे जुड़े एक मामले में 35.22 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों अस्थायी रूप से अटैच किये जाने की जानकारी दी। इन संपत्तियों में बैंक बैलेंस, डीमैट होल्डिंग्स और म्यूचुअल फंड जैसी चल संपत्तियां तथा दो अचल संपत्तियां हैं। ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 200 के तहत शुरू की थी, जो वर्ली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई। प्राथमिकी में सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उसके प्रमोटर्स और अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं पर आरोप है कि उन्होंने भविष्य की 'नीड टू फीड' योजना के तहत लाभ दिलाने का झूठा वादा कर लगभग 137 करोड़ रुपये का गबन किया है।

पटना में होगा 'जेम एक्सीलेंस इवेंट', बिहार के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को मिलेगा राष्ट्रीय बाज़ार से जुड़ने का अवसर

लोकतंत्र की शान : सरकार का गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जेम) आगामी 16 जनवरी 2026 को दशरथ मांझी श्रम कौशल विकास केंद्र, पटना में एकदिवसीय जेम एक्सीलेंस इवेंट का आयोजन करने जा रहा है। जेम देश का एकीकृत डिजिटल सार्वजनिक खरीद मंच है, जिसके माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्त संस्थाओं तथा पंचायतों द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की जाती है। पारदर्शिता, दक्षता और समावेशन जेम के मूल सिद्धांत हैं। वर्तमान में जेम पर देशभर में 24 लाख से अधिक विक्रेता पंजीकृत हैं। इस क्रम में अकेले बिहार से ही 54 हजार से अधिक विक्रेता जेम से जुड़े हुए हैं। जेम ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सीधे सरकारी खरीदारों से जोड़कर सार्वजनिक खरीद प्रणाली में उनकी भागीदारी को सशक्त बनाया है। जेम एक्सिलेंस इवेंट के हिस्से के तौर पर, दोपहर 3 बजे जेम सेलर संवाद भी होगा। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए जेम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मिहिर कुमार ने बताया कि जेम केवल एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि यह सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जेम का उद्देश्य बिहार राज्य के उद्यमियों को पारदर्शी और समान अवसरों के माध्यम से राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद व्यवस्था से जोड़ना है, ताकि स्थानीय उद्यम देश के विकास में सक्रिय भागीदार बन सकें। कार्यक्रम में श्री मिहिर कुमार सहित जेम के वरिष्ठ अधिकारी बिहार के विक्रेताओं से सीधा संवाद करेंगे। संवाद के दौरान जेम की कार्यप्रणाली पर प्रस्तुति, बिहार के उत्कृष्ट विक्रेताओं का सम्मान, तथा प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही नए विक्रेताओं के पंजीकरण की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस इवेंट में सूक्ष्म एवं लघु उद्यम, महिला उद्यमी, SC/ST उद्यमी, स्टार्टअप, कारीगर और बुनकर भाग लेंगे। यह कार्यक्रम बिहार के उद्यमियों को राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मामूली कहासुनी में नाबालिग को मारी गोली, गंभीर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। शाहदरा जिले के न्यू सीमापुरी इलाके में 16 साल के एक नाबालिग को गोली मार दी गई। गंभीर हालत में पीड़ित आशु (16) को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। नाबालिग के हाथ और जांघ में गोली लगी है। नाबालिग ने गोली मारने का आरोप अपने दोस्त पर लगाया है। दरअसल, आशु का दोस्त एक अवैध पिस्टल लेकर उसे दिखा रहा था। इस बीच दोनों के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई। इस दौरान आरोपित ने पीड़ित को गालियां देना शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपित ने हत्या करने की नियत से उस पर गोली चला दी। पुलिस ने आशु का बयान लेकर हत्या के प्रयास व अवैध हथियार का मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बुधवार को बताया कि आशु अपने परिवार के साथ ई-ब्लॉक, न्यू सीमापुरी इलाके में रहता है। इसके पिता नवाब की मौत हो चुकी है। घर के पास ही आशु की बहन फरहीन रहती है। 10 जनवरी को आशु अपनी बहन से मिलने उनके पास गया था। इस बीच तिमारपुर में रहने वाला उसका एक दोस्त बहन के घर पहुंचा।

रहाउ ने भारत में अपना पहला एक्सपीरिएंशियल ब्रांड डेस्टिनेशन "हाउस ऑफ़ रहाउ" लॉन्च किया

लोकतंत्र की शान

गुरुग्रामः रहाउ इंटीरियर सॉल्यूशंस ने भारत में अपना पहला एक्सपीरिएंशियल ब्रांड डेस्टिनेशन, हाउस ऑफ़ रहाउ लॉन्च किया है, जो मार्केट में कंपनी की लंबे समय की ग्रोथ जर्नी में एक अहम पड़ाव है। यह पहल रहाउ के ट्रेडिशनल प्रोडक्ट-लेड रिटेल से एक्सपीरिएंस-ड्रिवन ब्रांड एंगेजमेंट की ओर स्ट्रेटेजिक बदलाव को दिखाती है, जो भारत के आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिज़ाइन और कंस्ट्रक्शन कम्युनिटी की बदलती उम्मीदों के साथ अलाइन है। एक कन्वेंशनल शोरूम के बजाय एक इमर्सिव डेस्टिनेशन के तौर पर कॉन्सेप्ट किया गया, हाउस ऑफ़ रहाउ ब्रांड की मैटेरियल साइंस, जर्मन इंजीनियरिंग और डिज़ाइन-लेड इनोवेशन में एक्सपर्टीज़ को एक ही छत के नीचे लाता है। यह जगह आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, डेवलपर और पार्टनर को इंटीग्रेटेड, रियल-वर्ल्ड एप्लीकेशन के ज़रिए रहाउ के इंटीरियर सरफेस, डेकोरेटिव सॉल्यूशन और फर्नीचर कंपोनेंट को एक्सप्लोर करने में मदद करती है।

लॉन्च पर कमेंट करते हुए, डॉ. थॉमस ट्रोएगर, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर- रहाउ इंटीरियर सॉल्यूशंस ने कहा, "हाउस ऑफ़ रहाउ दिखाता है कि हम कैसे चाहते हैं कि कस्टमर एक्सपीरियंस, बातचीत और मटीरियल इंटेलिजेंस के ज़रिए हमारे ब्रांड से जुड़ें। भारत रहाउ के लिए सबसे ज़रूरी ग्रोथ मार्केट में से एक है, न सिर्फ़ डिमांड के नज़रिए से बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और कैपेबिलिटी हब के तौर पर भी। यह लॉन्च मार्केट में हमारे लंबे समय के भरोसे और हमारी ग्लोबल स्ट्रेटेजी पर इसके बढ़ते असर को और मज़बूत करता है।उन्होने कहा सात दशकों से ज़्यादा की ग्लोबल एक्सपर्टीज़ के साथ, रहाउ को हाई-परफॉर्मेंस पॉलीमर सॉल्यूशंस के लिए जाना जाता है जो कन्वेंशनल मटीरियल की जगह लेते हैं, और ड्यूरेबिलिटी, प्रिसिजन, सस्टेनेबिलिटी और डिज़ाइन फ्लेक्सिबिलिटी में फायदे देते हैं। इसके इंटीरियर सॉल्यूशंस पोर्टफोलियो में डेकोरेटिव सरफेस, एज बैंड, बोर्ड, लैमिनेट, फ्लोरिंग और फर्नीचर कंपोनेंट शामिल हैं - जिन्हें स्टैंडअलोन प्रोडक्ट के बजाय सिस्टम-ड्रिवन सॉल्यूशंस के तौर पर इंजीनियर किया गया है। रहाउ इंडिया और सबकॉन्टिनेंट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, श्री तुषार वर्मा ने कहा,हाउस ऑफ़ रहाउ, प्रोडक्ट प्रेजेंस से लेकर एक्सपीरियंस-लेड एंगेजमेंट तक, हमारी इंडिया जर्नी के अगले फेज़ को दिखाता है। जैसे-जैसे डेकोरेटिव सरफेस फंक्शनल एलिमेंट्स लाइफस्टाइल-डिफाइनिंग डिज़ाइन स्टेटमेंट्स में बदल रहे हैं, यह प्लेटफॉर्म हमें यह दिखाने का मौका देता है कि इनोवेशन, परफॉर्मेंस और एस्थेटिक्स असल दुनिया की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कैसे एक साथ आते हैं। रहाउ ने इंडिया के लिए अपने बड़े रिटेल और इन्वेस्टमेंट रोडमैप के बारे में भी बताया, जिसमें अगले तीन सालों में 50 से ज़्यादा रिटेल टचपॉइंट्स तक पहुंचने का प्लान है, जिसमें खास मेट्रो शहरों में बड़े-फॉर्मेट वाले एक्सपीरियंस सेंटर और टियर 2 और टियर 3 शहरों में एजाइल, हाई-इम्पैक्ट स्टूडियो शामिल हैं। इस एक्सपेंशन को 50 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से सपोर्ट मिलेगा, जिसका इस्तेमाल रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, ब्रांड बिल्डिंग और लॉन्ग-टर्म कस्टमर सर्विस पर फोकस्ड होगा।वहीं हमारा विजन मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हुए भारतीय ख़रीदारों को उनके हिसाब से डिजायन और कलर मैचिंग किये जाते है। स्थिरता ब्रांड का एक प्रमुख केंद्र बिंदु बनी हुई है, जिसमें भौतिक जिम्मेदारी, नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना, जल पुनर्चक्रण और चक्रीय विनिर्माण प्रक्रियाएं रहाउ के वैश्विक संचालन में अंतर्निहित हैं। कंपनी ने अपनी आगामी स्थिरता रिपोर्ट के प्रकाशन की भी पुष्टि की है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसके पारदर्शी और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करती है। हाउस ऑफ रेहाउ के साथ, ब्रांड का लक्ष्य डिजाइन और निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक सहयोगी मंच बनाना है - एक ऐसा मंच जो भारत और विश्व स्तर पर इंटीरियर के भविष्य को आकार देने के लिए इंजीनियरिंग सटीकता, सामग्री नवाचार और डिजाइन प्रासंगिकता को संयोजित करने के रेहाउ के दर्शन को दर्शाता है। अधिक जानकारी के लिए, www.rehau.com.in पर जाएं।

युवाशक्ति विकसित भारत की असली नींव : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली का युवा अब सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि विकसित भारत को दिशा देने वाला नेतृत्व बन रहा है। यही युवाशक्ति विकसित दिल्ली और विकसित भारत की असली नींव है। मुख्यमंत्री ने यहां के डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में बुधवार को आयोजित दिल्ली स्टार्टअप युवा महोत्सव में युवा इनोवेटर्स, क्रिएटर्स और इनवेस्टर्स से संवाद करते हुए कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और युवाओं के इनोवेशन से आया ऐतिहासिक परिवर्तन है। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी और कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्टार्टअप कैपिटल बनाने के लिए हम मिशन मोड में काम कर रहे हैं। जल्द ही दिल्ली स्टार्टअप नीति लाई जा रही है, ताकि हर युवा इनोवेटर को आइडिया से स्टार्टअप और स्टार्टअप से आत्मनिर्भर बनने तक आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिल सके।

भारत में जमीन जिहाद वक्फ बोर्ड के नाम पर अवैध कब्जे कब तक होते रहेंगे : महंत गुरुजी राजू चंदेल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः हिंदूवादी सनातनी धर्मगुरु अखिल भारतीयमहर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्राचारी महंत गुरुजी राजू चंदेल ने आज हमारे संवाददाता से बात करते हुए कहा कि देंश भर में देखा जाए तो किसी भी मस्जिद के पास सरकारी दस्तावेज नहीं मिलेंगे पिछले 75 वर्षों से जब से देश आजाद हुआ है राजनीतिक रोटी सीखने के चक्कर में राजनीतिक दलों ने ना तो लव जिहाद पर रोक लगाई है और ना ही धर्मांतरण पर हमेशा ही राजनीतिक दल वोटो की अव देश के हालात इस कदर हो चुके हैं सब चीजों को बढ़ावा देते चले आ रहे हैं अव देश के हालात इस कदर हो चुके हैं देश भर में जमीन जिहाद के नाम पर जगह-जगह मकबरे मस्जिद बीच सड़कों पर सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से बनाए जा रहे हैं जिसको कोई रोकने वाला नहीं संसद भवन के सामने बीच सड़क पर मस्जिद बनी हुई है गांधी पीस फाऊंडेशन जो की राजघाट के बराबर में है उसके प्रांगण में भी एक मजार बनी हुई है न्यू सीमा पुरी बस डिपो के समीप बीच सड़क पर निसरिया मस्जिद के नाम से बनाई गई है जो वर्षों से खड़ी हुई सनातनी हिंदुओं का मुंह चिढ़ा रही है यह तमाम अवैध मस्जिद मजरे लंबे अरसे से वक्फ बोर्ड के नाम पर जमीन जिहाद के नाम पर जबरन कब्जा कर संपूर्ण देश भर में कब्जाई जा चुके हैं कई राज्यों में तो जबरन हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर कर उनकी जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर कब जाए जा चुकी हैं जब से देश में वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन हुआ है तब से सनातनी हिंदुओं की जमीन वापस किए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई है अन्यथा आने वाले समय में तमाम देश की भूमि वक्फ बोर्ड की भेंट चढ़ जाति अभी भी आदिवासी क्षेत्रों में देश के विभिन्न राज्यों में वक्फ बोर्ड के नाम पर जमीन कब्जाई हुई है जो जल्द ही मुक्त की जाएगी और उनकी प्रक्रिया जारी है महंत गुरु जी राजू चंदेल ने कहा कि हमारी सरकार को और अधिक तेजी से जमीन जिहाद के वक्फ बोर्ड नाम पर जितनी भी अवैध रूप से सरकारी या सनातनी हिंदुओं की जमीन कब्जाई हुई है उन्हें जल्द से जल्द मुक्त कराया जाए और जगह-जगह जो मजरे बनी हुई हैं उसे इस्लाम में भी नहीं माना जाता उन मजरे दरगाहों को तुरंत हटाया जाए क्योंकि उनके इस्लाम में इनकी कोई जगह नहीं है जमीन जहाज के नाम पर वक्फ बोर्ड के नाम पर जितनी भी मजरे अवैध मस्जिद बनी हुई है उन्हें तुरंत हटाया जाए गुरुजी राजू चंदेल ने कहा कि मुगल शासको जिन्होंने देश के सनातनी हिंदुओं पर अत्याचार कर हिंदुस्तान पर जबरन राज किया उनके नाम पर जितनी भी जियारतें सरकारी भवन सरकारी मार्ग हैं उनके नाम को निशानियां को मिटाया जाना चाहिए और आज देखा जा रहा है जामिया यूनिवर्सिटी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी सबसे ज्यादा जिहादियों और देश विरोधी गतिविधियां देखी जा रही हैं इन यूनिवर्सिटियों के नाम किसी देवी देवताओं के नाम पर या भारत महान शहीदों के नाम पर रखा जाना चाहिए इसके साथ ही इन यूनिवर्सिटी में ज्यादा से ज्यादा छात्रों संख्या हिंदू हिंदू सनातनी छात्रों की होनी चाहिए तभी यह इन यूनिवर्सिटी में देश विरोधी गतिविधियां कम होगी

न्यू सीमापुरी की निसारिया मस्जिद

बद्रीनाथ के पास एनएचएआई दीनानाथ बाईपासः बड़े पैमाने पर डायनामाइट विस्फोटों से पहाड़ टूट रहे हैं और हजारों टन मलबा अलकनंदा में जमा हो रहा है, जिससे कृत्रिम झीलें बन रही हैं

लोकतंत्र की शान, सुनील नेगी

उत्तराखंड के गढ़वाल में ऑल-वेदर रोड परियोजना ने तबाही मचा दी है। आरोप है कि सभी संवैधानिक और कानूनी नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर डायनामाइट विस्फोट किए जा रहे हैं और लाखों टन गाद, धूल, कीचड़ और पथरीले पत्थर अलकनंदा नदी में बहाए जा रहे हैं, जिससे नदी का सुचारू प्रवाह बाधित हो रहा है और नदी का जलस्तर काफी गिर गया है, साथ ही कृत्रिम झीलें भी बन रही हैं। उत्तराखंड की पहाड़ियों, विशेषकर ऑल-वेदर रोड के मार्गों पर स्थित पहले से ही नाजुक पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति और भी खराब हो रही है। जोशीमठ पहले ही धंस रहा है और बद्रीनाथ आदि के पास कई स्थानों पर घरों में सैकड़ों दरारें पड़ गई हैं। आज ही बद्रीनाथ में एनएचएआई ने एक पहाड़ को विस्फोटित किया, जिससे भीषण ध्वनि प्रदूषण हुआ। सैकड़ों टन पत्थर, कीचड़, गाद और धूल अलकनंदा नदी में गिरे, जिससे नदी का जलस्तर बुरी तरह प्रभावित हुआ। अलकनंदा नदी में रहने वाली मछलियों और अन्य जीवों का जीवन घोर खतरे में है। स्थापित पर्यावरण मानदंडों के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने हिमालय में डायनामाइट विस्फोटों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन एनएचएआई अधिकारी इन मानदंडों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। उनके अधीन काम करने वाले ठेकेदार भी नियमों का उल्लंघन करते हुए डायनामाइट विस्फोट कर रहे हैं, जिससे लोगों के जीवन और पहले से ही नाजुक पहाड़ी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अलकनंदा नदी में पत्थर, कीचड़, गाद, धूल और मिट्टी आदि डालने से पवित्र नदी का प्रवाह बाधित हो रहा है और उसका जलस्तर बढ़ रहा है। यह अवैध गतिविधियाँ वर्षों से बिना किसी नियमन के जारी हैं। बद्रीनाथ के पास एनएचएआई द्वारा दीनानाथ बाईपास के निर्माण के दौरान पहाड़ियों से लाई गई सूखी लकड़ियों को अलकनंदा नदी में डाला जा रहा है, जिसके कारण नदी में झीलें बन रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैंः नदियां झीलें बनती जा रही हैं.. पहाड़ों में लगातार जारी सुस्ती #जोशीमठ को खतरे में डाल रही है। लोग डर के साए में जी रहे हैं, लेकिन पहाड़ों का अपमान क्यों ?तीन घंटे की यात्रा को एक घंटे में समेटना ? क्या पहाड़ों को काटना विनाश नहीं है ? स्थानीय लोगों ने यह सवाल उठाया, जिनका शांत वातावरण अनावश्यक बड़े पैमाने पर डायनामाइट विस्फोटों से दूषित हो रहा है।

मकर संक्रांति का सूर्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने का संदेश देता हैः नितिन नबीन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को कहा कि मकर संक्रांति का सूर्य नई रोशनी, नई उमंग, नया उत्साह देने के साथ ही हमें जरूरतमंद लोगों की मदद करने का संदेश देता है। नितिन नबीन यहां दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय परिसर में मकर संक्रांति के अवसर पर पूर्वांचल मोर्चा द्वारा आयोजित सहभोज कार्यक्रम को सबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा समेत कई प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सचदेवा ने कहा कि पूर्वांचल समाज द्वारा मकर संक्रांति पर किए गए भव्य आयोजन ने उनकी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और उत्साह को दर्शाया है। मकर संक्रांति का आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि पूर्वांचल समाज की संगठनात्मक शक्ति और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने सभी आयोजकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा पूर्वांचल समाज के विकास, सम्मान और अधिकारों के लिए पूरी

निष्ठा से कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत का एक सूत्रधार पूर्वांचल समाज भी है जिन्होंने 27 साल के बाद भाजपा को सत्ता में लाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, भाजपा नेता एवं गायक पवन सिंह, सांसद मनोज तिवारी, योगेन्द्र चांदोलिया एवं सांसद बांसुरी स्वराज, देवरियां के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी एवं नगर निगम स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने की 'मिस्ट स्प्रे प्रणाली' की शुरूआत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को पंजाबी बाग में मिस्ट स्प्रे प्रणाली की शुरुआत की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह प्रणाली सड़कों पर उड़ने वाली धूल और प्रदूषक कणों को नियंत्रित करने में प्रभावी भूमिका निभाएगी। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से हवा की गुणवत्ता बेहतर करने का यह प्रयास स्थानीय स्तर पर सकारात्मक असर दिखाएगा। प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार चरणबद्ध तरीके से ऐसे उपायों को और अधिक क्षेत्रों तक विस्तारित करने की योजना पर काम

कर रही है। इस अवसर पर विधायक कैलाश गंगवाल सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इसके साथ ही मंत्री प्रवेश साहिब ने आज बाली नगर में दि केशव सहकारी बैंक लिमिटेड की नई शाखा का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह शाखा स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और उद्यमियों को सुलभ व भरोसेमंद बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित होकर पलटा गन्ना भरा ट्रक चालक ने कूदकर बचायी अपनी जान

लोकतंत्र की शान : अंकित दीक्षित : सीतापुर : कोतवाली क्षेत्र के भदफर–घोडसरिया गन्ना सेंटर मार्ग पर गन्ने से भरा एक ट्रक सड़क पर चढ़ते समय अनियंत्रित होकर पलटा, मचा हड़कंप, ट्रक के पलटते ही चालक ने कूदकर बचायी अपनी जान। बुधवार दर शाम गन्ना

क्रय केंद्र से मिल जाते समय गन्ने से भरे ट्रक के पलट जाने से अफरातफरी मच गई और ट्रक पर लदा गन्ना सड़क पर फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को भी जानकारी दी गई। इस दुर्घटना में लोग बाल बाल बच गए वहीं दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है ।

नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान के तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी ने चलाया जांच अभियान

साईं कृपा फिलिंग पेट्रोल पंप के मैनेजर को पुलिस ने दी कड़ी चेतावनी

लोकतंत्र की शान : अंकित दीक्षित : लहरपुर सीतापुरः नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान के तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार व कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने चलाया जांच अभियान। बुधवार देर शाम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालपुर बाजार स्थित साईं कृपा फिलिंग पेट्रोल पंप पर जांच अभियान चलाकर बिना हेलमेट लगाए वाहन चालकों को पेट्रोल देते हुए 12 बाइक सवारों के ई-चालान किये और बिना हेलमेट पेट्रोल बेचे जाने पर पेट्रोल पंप मैनेजर को कड़ी चेतावनी दी। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों पर अभियान चलाकर जांच की जाएगी और यदि कोई भी पेट्रोल पंप के द्वारा बिना हेलमेट लगाए बाइक सवारों को तेल बेचते हुए पकड़ा जाएगा तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

महिला कीर्तन पार्टी ने मकर संक्रांति पर किया

लोकतंत्र की शान : अलीगढ़। मकर संक्रांति के अवसर पर कमलेश भारद्वाज के नेतृत्व में एक महिला कीर्तन पार्टी ने राम नाम कीर्तन का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य राम नाम के माध्यम से समाज सुधार का संदेश देना था। यह कीर्तन पार्टी लगातार समाज सुधार के कार्यों में सक्रिय है। कार्यक्रम के दौरान कीर्तन

पार्टी के सदस्यों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मूंगफली और रेवड़ी का दान भी किया गया, जिसके जरिए सामाजिक समरसता, प्रेम और सेवा भाव का संदेश दिया गया। इस आयोजन में कीर्तन पार्टी से जुड़ी कश्मीरी देवी, विद्या देवी, गायत्री देवी, कमलेश देवी और पार्वती देवी ने विशेष रूप से भाग लिया। सभी सदस्यों ने मकर संक्रांति के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने राम नाम स्मरण को समाज को एकजुट करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया। महिला कीर्तन पार्टी के इस प्रयास की क्षेत्रवासियों ने सराहना की। उन्होंने इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल बताया। चण्डौस में भी मकर संक्रांति के अवसर पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बुधवार को कसेरू रोड स्थित स्कूल के समीप आयोजित इस भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस भंडारे का आयोजन समाजसेवी सत्या चौहान और विवेकानंद पब्लिक स्कूल के प्रबंधक सुनील शर्मा के नेतृत्व में बुधवार दोपहर 12 बजे से किया गया। इस अवसर पर सुनील शर्मा ने मकर संक्रांति पर्व पर दान-पुण्य और जरूरतमंदों को भोजन कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। कसेरू रोड पर डॉ. राकेश कुमार और इमरान खान की दुकान पर भी एक संयुक्त भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सुनील शर्मा, समाजसेवी सत्या चौहान, मंजू गुप्ता, सुशील चौधरी, राजू चौधरी, प्रशांत चौहान, अंकित सिंह, नारायणन शर्मा, अशोक कुमार, तोता गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार, आमिर खान, इमरान खान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आरएमपीएसयू करेगी देश की शैक्षणिक संस्थाओं से एमओयू समझौता

लोकतंत्र की शान : अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) वीसी प्रो एनबी सिंह के एक वर्ष कार्यकाल पूरा होने पर वह पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी एक साल के लिए यूनिवर्सिटी के लिए प्लानिंग पर प्रकाश डाला। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) नए वर्ष में देश की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से एमओयू (समझौता ज्ञापन) करेगा। नए शैक्षिक सत्र में योगशाला, संविधान को जानो, पढ़े गांव बढ़े गांव नवाचार कार्यक्रम शुरू होंगे। इसके तहत विश्वविद्यालय परिसर में योगशाला की शुरुआत होगी। यहां विद्यार्थियों और कर्मचारियों को योग और ध्यान के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा जाएगा। 'संविधान को जानो' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों की जानकारी दी जाएगी। पढ़े गांवदृबढ़े गांव अभियान के तहत विश्वविद्यालय आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़कर शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक विकास के कार्यों को आगे बढ़ाएगा। यह पहल समाज और विश्वविद्यालय के बीच सेतु का कार्य करेगी। विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में कृषि विज्ञान संकाय के निर्माण की योजना को गति दे दी गई है। इससे क्षेत्र के छात्रों को कृषि, नवाचार, शोध और आधुनिक तकनीक से जुड़ी उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा। कृषि विज्ञान संकाय की स्थापना से न केवल ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र में कृषि आधारित शोध और उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की चार नई इकाइयों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की दो नई इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इन इकाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाएगा। देश की शैक्षणिक संस्थाओं से आरएमपीयू एमओयू करेगा। सीएसआर योजना के तहत विवि परिसर में कंप्यूटर लैब, सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। शोध विकास व नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाएगा। तीन नए शैक्षणिक भवन, अतिथि गृह बनेगा।

हिन्दू वादियों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, छात्रों की सुरक्षा मांगी

लोकतंत्र की शान : अलीगढ़। अकराबाद बुधवार को हिन्दू वादियों ने थाना प्रभारी को चार सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने विजयगढ़ चौराहे से प्रदर्शन करते हुए थाने तक मार्च किया। हिन्दू वादी नेता आकाश पचौरी और विशाल शर्मा के नेतृत्व में कुछ युवा अकराबाद के विजयगढ़ चौराहे पर एकत्र हुए। इसके बाद वे थाने पहुंचे और थाना प्रभारी रवि चन्दवाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लाउडस्पीकर की ध्वनि सीमित करने, गोहत्या पर अंकुश लगाने और अवैध मीट की दुकानों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, छात्रों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान करने की भी मांग शामिल थी। थाना प्रभारी रवि चन्दवाल ने हिन्दू वादी नेताओं से ज्ञापन स्वीकार किया और जल्द ही समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

गोरखनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का ज्वार

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मकर संक्रांति का मुख्य पर्व गुरुवार को मनाया जाएगा लेकिन इससे एक दिन पहले बुधवार को ही गोरखनाथ मंदिर में आस्था का ज्वार उमड़ पड़ा। शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी चढ़ाने के लिए मंदिर परिसर से लेकर बाहर तक भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। लाखों श्रद्धालुओं ने मुख्य पर्व से एक दिन पहले ही बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में मकर संक्रांति के पुण्य काल में महायोगी गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी भोग अर्पित करेंगे। बाबा गोरखनाथ के दरबार में खिचड़ी चढ़ाने के लिए मंगलवार रात से ही श्रद्धालुओं ने डेरा डालना शुरू कर दिया था। बुधवार भोर में मंदिर के कपाट खुलते ही खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच समूचा मंदिर परिसर गुरु गोरखनाथ के जयकारों से गूंज उठा। सुख समृद्धि की मंगलकामना को लेकर उत्तर प्रदेश, पड़ोसी राज्य बिहार और मित्र राष्ट्र नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान गुरु गोरखनाथ को श्रद्धा की खिचड़ी निवेदित की। उसके बाद मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी देवताओं का पूजन कर ब्रह्मलीन महंत बाबा गंभीरनाथ, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेक आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में अलग-अलग गेट और बैडिकेडिंग से श्रद्धालुओं की भीड़ को संभाला जा रहा था। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन हुआ। मंगलवार रात से गोरखनाथ मंदिर में प्रवास कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिगत खुद सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे थे। मंगलवार रात को मंदिर परिसर का निरीक्षण करने के बाद बुधवार सुबह भी उन्होंने परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधबार को कोतवाली क्षेत्र के गांव मनौटा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ खेत पर काम करते समय ट्रैक्टर पलटने से 32 वर्षीय किसान कपिल प्रजापति पुत्र हरि सिंह प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, कपिल प्रजापति अपने परिवार के सदस्यों के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत पर गया था। वह ट्रैक्टर की मदद से नर्सरी के पेड़ों को उठाकर दूसरे स्थान पर ले जा रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर का अगला हिस्सा असंतुलित होकर पलट गया और सीधे कपिल के ऊपर जा गिरा। ट्रैक्टर के भारी वजन के नीचे दबने के कारण कपिल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद कपिल को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थीं। इस घटना ने परिवार को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। परिजनों ने बताया कि मृतक कपिल की शादी महज एक साल पहले पड़ोसी गांव रझेड़ा निवासी अखिलेश के साथ हुई थी। पति की मौत से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। हरि सिंह के तीन पुत्र थे। बताया जाता है कि साल 2007 में कपिल के भाई सुभाष की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। अब तीन भाइयों में से दो की मृत्यु के बाद घर में केवल मातम पसरा है। ग्रामीणों की मदद से परिजन शव को घर ले आए हैं। एक युवा किसान की इस तरह अचानक हुई मौत से मनौटा गांव में शोक व्याप्त है।

टप्पेवाज ने महिला के 15 हजार उड़ाए, पुलिस जांच में जुटी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : बुधवार को नगर के राजपूत कॉलोनी मार्ग स्थित पंजाब नेशनल बैंक में एक विधवा महिला के साथ टप्पेबाज ने मदद के बहाने महिला के 15000 उड़ा लिए, बता ते चले कि रहरा थाना क्षेत्र के गांव जयतोली निवासी 50 वर्षीय मुन्नी ने बैंक से 50000 निकाले थे, अनपढ़ होने के कारण उसने बैंक में मौजूद एक अज्ञात युवक से विड्रोल फॉर्म भरवाने में मदद मांगी पैसे निकालने के बाद मुन्नी ने उस युवक को 50000 की गड्डी गिनने के लिए दे दी, जाल साज ने बड़ी चालाकी से उसमें से 15000 निकाल लिए और मौके से फरार हो गया, पीड़िता को ठगी का एहसास तब हुआ जब वह पास ही एक सुनार की दुकान पर पहुंची, पैसे कम होने पर उन्होंने तुरंत बैंक प्रबंधक से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी, बैंक प्रबंधक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने बैंक कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी ताकि आरोपी की पहचान की जा सके, वहीं पीड़िता ने पुलिस को तहरी देकर कार्रवाई की मांग की है, इस संबंध में कस्बा इंचार्ज राम प्रकाश ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी कैमरो की मदद से जालसाज की तलाश में लगी है और जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा तथा महिला के पैसे वापस कराए जाएंगे, इस प्रकार की घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है 1

नगर वासियों ने गजरौला को अतिक्रमण एवं बंदर मुक्त करने के लिए अध्यक्ष पति का किया आभार व्यक्त

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौलाः बुधवार को नगर के समाजसेवी तेजवीर सिंह अलूना एवं अन्य नागरिकों ने गजरौला शहर को अतिक्रमण एवं बंदर मुक्त करने को लेकर वर्तमान पालिका अध्यक्ष पति को शॉल उड़ाकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया, बताते चले की गजरौला पिछले काफी वर्षों से अतिक्रमण से जूझ रहा था बाहर के लोग सड़कों पर कब्जा करके बाजार लगाकर सड़क अवरुद्ध करते थे, फायर ब्रिगेड सहित कई महत्वपूर्ण जगह का रास्ता भी बंद हो जाता था, जिससे स्कूल बस सहित एंबुलेंस और महत्वपूर्ण वहान भी जाम में फंसे रहते थे, सड़क खाली करवांने और अतिक्रमण हटाने के पिछले कई वर्षों तक समाजसेवी तेजवीर सिंह अलुना ने प्रयास किया तो वर्तमान नगर पालिका गजरौला के अध्यक्ष पति हरपाल सिंह ने अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने का वादा किया और उस को काफी हद तक पूरा किया, वही गजरौला स्टेशन सहित कई मोहल्लेवासी बंदरों से भी परेशान थे बंदरों को पकड़ने की मांग भी पिछले कई वर्षों से काफी लोग समाज सेवी तेजवीर सिंह अलुना के साथ कर रहे थे, जिसपर पालिका अध्यक्ष एवं उनके पति की पहल पर नगर पालिका गजरौला ने पिछले महीने में कई बार जाल लगवाकर कुछ बंदरो को पकड़ा, और स्टेशन सहित गजरौला में बंदर भी कम हुए और थोड़ा सुकून मिला इसके लिए भी नगर पालिका का समस्त स्टाफ सहित नगर पालिका अध्यक्ष एवं उनके पति पूर्व विधायक हरपाल सिंह बधाई के पात्र हैं, इसी को लेकर समाजसेवी तेजवीर सिंह अलुना ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूर्व विधायक और वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष पति हरपाल सिंह के आवास पर पहुंच कर उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं आभार व्यक्त किया, वाह पूर्व विधायक और वर्तमान अध्यक्ष पति हरपाल सिंह ने भविष्य में भी शहर को अतिक्रमण से मुक्त करने का आश्वासन दिया, इस अवसर पर मुख्य रूप से रविंद्र गोयल, भूपेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, अंकुर ना, रेहान अली आदि उपस्थित रहे 1

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में यूपी की मजबूत छलांग, हरित परिवहन में निर्णायक कदम

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रहा है। देश में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना के विकास और विस्तार के बीच उत्तर प्रदेश अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। प्रदेश में पिछले पांच सालों में 2,316 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। यह उपलब्धि प्रदेश के बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक विकास को दर्शानें के साथ-साथ योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों का भी स्पष्ट प्रमाण हैं। याहवी ग्रुप के सीईओ संदीप यादव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन को स्थापित करने की दिशा में तेजी आगे बढ़ रहा है। याहवी ग्रुप की ओर से उत्तर प्रदेश के मथुरा और वृंदावन में ईवी चार्जिंग स्टेशन (ट्रकों के लिए) स्थापित किये गए हैं।

चार्जिंग नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की मजबूत हिस्सेदारी<- देश भर में स्थापित कुल 29,151 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों में उत्तर प्रदेश का उल्लेखनीय योगदान है। प्रदेश में स्थापित 2,316 चार्जिंग स्टेशनों में 540 फास्ट चार्जर और 1,776 स्लो चार्जर शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश सरकार ने शहरी और अर्ध शहरी दोनों क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संतुलित चार्जिंग नेटवर्क विकसित किया है। लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा जैसे प्रमुख शहरों में ईवी चार्जिंग सुविधाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

योगी सरकार की स्पष्ट नीति और विजन-उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता में सम्मिलित है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए निजी कंपनियों और निवेशकों को लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है।

पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास का संतुलन-योगी सरकार का फोकस विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी है। इलेक्ट्रिक वाहनों और चार्जिंग अवसंरचना के विस्तार से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण को मजबूती मिलेगी। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और घनी आबादी वाले प्रदेश में यह पहल वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इसके साथ ही पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम होने से अर्थव्यवस्था को भी दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

सामाजिक कार्यकर्ता हसीन अंसारी ने डिप्टी सीएम से मिलकर लाइब्रेरी की स्थापना हेतु सौंपा पत्र

लोक तंत्र की शान

लहरपुर सीतापुरः नगर क्षेत्र के छात्र छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर न जाना पड़े इसलिए लहरपुर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मिलकर उन्हें नगर क्षेत्र में एक लाइब्रेरी की स्थापना हेतु पत्र सौंपा। मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को एक पत्र देकर मांग की है कि नगर क्षेत्र में कोई भी लाइब्रेरी संचालित ना होने के कारण पालिका परिषद परिषद में बंद पड़ी लाइब्रेरी को पुनः संचालित किया जाए जिससे नगर क्षेत्र के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर न जाना पड़े और जो छात्र-छात्राएं धन के अभाव के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं

उनको अपने क्षेत्र में ही पुस्तकालय की सहायता से तैयारी के अवसर मिल सकें। सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आश्वासन दिया है अति शीघ्र ही बंद लाइब्रेरी को पुनः संचालित करवा कर उसे छात्रों को समर्पित किया जाएगा ।

बीयर फैक्ट्रियों, मुर्गी फार्मों एवं दूध डेयरियों से फैल रहे प्रदूषण

लोक तंत्र की शान

अलीगढ़। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के संस्थापक जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में तहसील अतरौली क्षेत्र में संचालित बीयर फैक्ट्रियों, मुर्गी फार्मों एवं दूध डेयरियों से फैल रहे गंभीर पर्यावरणीय प्रदूषण के संबंध में जिलाधिकारी अलीगढ़ को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता को सौंपा गया। मोर्चा के संस्थापक जितेंद्र शर्मा ने बताया कि अतरौली तहसील अंतर्गत खंडोली बुजुर्ग, छोंडा सुजानपुर, सरायपुर, भवीगढ़, अहमदपुर, कादरबाड़ी, गोवली, बखरा, भगवती सहित अनेक गांवों में स्थापित औद्योगिक इकाइयों द्वारा निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के कारण जल, वायु एवं भूमि प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंच चुका है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि

ज्ञापन सौंपे जाने के 7 दिनों के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, तो संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा जनहित में आंदोलन एवं गांव-गांव जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। ज्ञापन प्रेषित करने वाले मोर्चा के जिला संरक्षक अशोक शर्मा,मण्डल अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर, जिला महासचिव युवा मोर्चा डॉ सुरेंद्र लोधी, अरमान,, एडवोकेट पंकज कुमार, योगेश लोधी, रंजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

282 वेस्ट मैनेजमेंट यूनिटों से साकार होगी कचरे से कंचन की अवधारणा

लोक तंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश को प्लास्टिक कचरे से मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा और निर्णायक कदम उठाया जा रहा है। मिशन क्लीन यूपी के तहत प्रदेश में कुल 282 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिटों का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इस मेगा प्लान के जरिए यूपी को प्लास्टिक कचरे से मुक्त राज्य बनाने की दिशा में ठोस पहल शुरू हो चुकी है।प्रदेश में अब तक 103 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट इकाइयों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 132 यूनिटों का काम तेजी से निर्माणाधीन है। शेष इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा। इन यूनिटों के जरिए प्लास्टिक कचरे का संग्रहण, छंटाई और वैज्ञानिक निस्तारण किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता को भी नई मजबूती मिलेगी और कचरे से कंचन की अवधारणा साकार होगी।

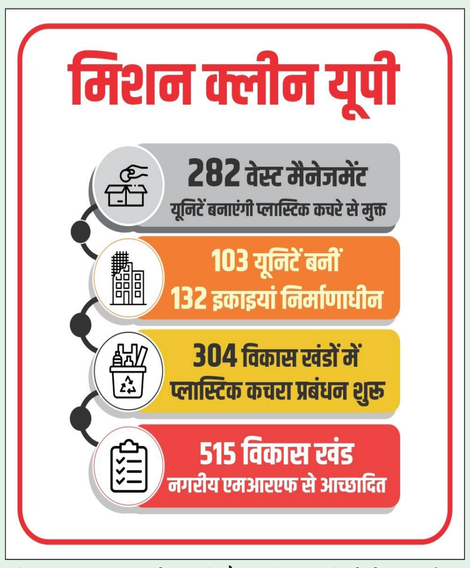

प्लास्टिक कचरा खुले में फेंके जाने के बजाय व्यवस्थित रूप से प्रोसेस होगा-पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि योगी सरकार के इस अभियान के तहत 304 विकास खंडों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की व्यवस्था शुरू हो चुकी है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में 515 विकास खंड नगरीय मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) से आच्छादित किए जा चुके हैं। इसका सीधा असर यह होगा कि प्लास्टिक कचरा खुले में फेंके जाने के बजाय व्यवस्थित रूप से प्रोसेस होगा और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

सभी विकास खंडों में होगी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की मजबूत श्रृंखला-योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के सभी विकास खंडों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की मजबूत श्रृंखला तैयार करना है। इसके लिए ग्राम पंचायतों से लेकर नगरीय निकायों तक एकीकृत मॉडल पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना न सिर्फ स्वच्छता अभियान को गति देगी, बल्कि प्रदेश को प्लास्टिक से मुक्ति भी देगी।

स्वच्छ, हरित और टिकाऊ विकास की दिशा में मिलेगी नई पहचान-पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिटों के माध्यम से जहां एक ओर पर्यावरण को प्रदूषण से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। योगी सरकार का यह मेगा प्लान उत्तर प्रदेश को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ विकास की दिशा में एक नई पहचान दिलाने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सदर अस्पताल में 93 गार्ड, फिर भी चोरी, हाजीपुर के सबसे बड़े अस्पताल में बाइक-ऑटो चोरी

हाजीपुर। हाजीपुर स्थित सदर अस्पताल जिले का सबसे बड़ा अस्पताल है। लेकिन उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल परिसर से लगातार बाइक और अन्य सामानों की चोरी हो रही है, जबकि यहां 93 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। हाल ही में चोरों ने अस्पताल परिसर से एक टोटो गाड़ी चुरा ली। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हालांकि, चोरी के मामलों का खुलासा होने की उम्मीद कम ही रहती है। अस्पताल की सुरक्षा के लिए 88 गार्ड और 5 होमगार्ड के जवान पांच शिफ्टों में तैनात रहते हैं। इसके बावजूद चोर आसानी से सुरक्षा में सेंध लगा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि सदर अस्पताल में लगातार हो रही सेंधमारी के बावजूद, वरीय अधिकारी और अस्पताल प्रबंधन सुरक्षा की समीक्षा करने या कोई कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। यह जिला अस्पताल पूरे जिले से मरीजों और उनके परिजनों को सेवा प्रदान करता है। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारियों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण विभागों के कार्यालय भी इसी परिसर में स्थित हैं, जिससे यह एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र बन जाता है। एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड अपने-अपने पोस्ट छोड़कर झुंड में खड़े होकर गप्पे लड़ाते दिख रहे हैं। ऐसी स्थिति में अस्पताल की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगता है। चोरी हुई टोटो गाड़ी के मालिक सोनू कुमार ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की है।

केंद्र की इथेनॉल नीति बदली, बिहार का प्लांट बंद, वैशाली में 300 वर्कर करते है काम

हाजीपुर। केंद्र सरकार की इथेनॉल आपूर्ति नीति में बदलाव से बिहार का इथेनॉल उद्योग संकट में आ गया है। वैशाली जिले के धधुआ जंदाहा स्थित ग्लोबस स्प्रिट लिमिटेड प्लांट पर इसका सीधा असर पड़ा है। इथेनॉल सप्लाई ऑर्डर में 50 प्रतिशत कटौती के बाद यह प्लांट पिछले 10-15 दिनों से पूरी तरह बंद है। इससे लगभग 200 से 250 कामगारों और कर्मचारियों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। जहाँ कभी यह प्लांट चौबीसों घंटे उत्पादन करता था, आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है।

कामगार मायूस हैं और सवाल कर रहे हैं कि यदि फैक्ट्री बंद हो जाएगी, तो उनका जीवन कैसे चलेगा। प्लांट प्रबंधन के अनुसार, इथेनॉल की आपूर्ति पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है। सरकार ही आवंटन तय करती है। प्लांट सीधे केंद्रीय सरकार के अधीन आने वाली तेल कंपनियों – IOC, BPCL, HPCL – को इथेनॉल की आपूर्ति करता है। यदि इन कंपनियों से मांग नहीं होगी, तो प्लांट उत्पादन नहीं कर पाएगा। प्लांट की मासिक उत्पादन क्षमता 26 लाख लीटर है, लेकिन 50 प्रतिशत कटौती के बाद यह घटकर 7-8 लाख लीटर रह गई है। प्रबंधन का कहना है कि इस स्थिति में कर्मचारियों का वेतन और प्लांट के अन्य खर्च निकालना भी मुश्किल हो जाएगा। यदि नीति में सुधार नहीं हुआ, तो ऐसी फैक्ट्रियों का संचालन मुश्किल हो जाएगा। प्लांट में लगभग 250 लोग कार्यरत हैं। फैक्ट्री बंद होने से सिर्फ मजदूरों पर ही नहीं, बल्कि पूरे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ेगा। एक कर्मचारी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "इस फैक्ट्री में दो-तीन सौ वर्कर काम करते थे। अब कंपनी बंद हो रही है तो हम सब परेशान हैं। अगर फैक्ट्री बंद हो गई, तो घर की रोजी-रोटी कैसे चलेगी, सरकार को इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है और सही फैसला लेना चाहिए।" एक अन्य वर्कर ने बताया, "मैं पहले दिल्ली-एनसीआर में काम करता था। जब 2020-21 में गांव में फैक्ट्री खुली, तो यहीं काम करने लगा। लेकिन अब सरकार के नए आदेश से 100 प्रतिशत उत्पादन नहीं होगा, तो मैनेजमेंट सैलरी कैसे देगा। आने वाले दिनों में मजदूरों की छंटनी तय है। अगर फैक्ट्री बंद हुई, तो हमें फिर से पलायन करना पड़ेगा।"

मन्नीपुर पुल के पास पशु व्यापारी से लूट, बाइक सवार 3 नकाबपोश अपराधियों ने वारदात को दिया अंजाम

हाजीपुर। वैशाली में मन्नीपुर पुल के पास मंगलवार दोपहर पशु व्यापारी से 29,500 रुपए लूट लिए गए। बाइक सवार तीन नकाबपोश अपराधियों ने हथियार के बल पर इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की पहचान मझौली निवासी मोहम्मद इस्लाम के बेटे मोहम्मद असलम और ईद मोहम्मद के रूप में हुई है। वह गांव-देहात में खस्सी-बकरी की खरीदारी कर गोपालपुर चौक स्थित अपनी मीट दुकान में बेचते हैं। मोहम्मद असलम ने बताया कि वह पशु खरीदने के लिए निकले थे। मन्नीपुर पुल के समीप सुनसान स्थान पर पहुंचने पर पीछे से पल्सर बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधी उनके पास आए। अपराधियों ने पिस्तौल सटाकर उन्हें रोका और उनके पास मौजूद 29,500 रुपए लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी तेज रफ्तार में मदरना की ओर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने वैशाली थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी। थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

आधी रात को एसपी की छापेमारी, हाजीपुर के सभी थानों का औचक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर सख्ती

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और पुलिस व्यवस्था की सतर्कता जांचने के उद्देश्य से मध्यरात्रि के बाद हाजीपुर शहरी क्षेत्र के सभी थानों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण अभियान देर रात शुरू हुआ, जिसमें एसपी सिहाग ने सदर थाना, नगर थाना, गंगा ब्रिज थाना, औद्योगिक थाना और हथसारगंज ओपी का दौरा किया। उन्होंने थानों में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति, रात्रि गश्त की व्यवस्था, पिकेट ड्यूटी, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता,

मालखाना, हाजत और आगंतुक रजिस्टर की गहनता से जांच की। पुलिस अधीक्षक ने थाना पदाधिकारियों को रात्रि गश्त को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से रात में होने वाली चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सख्त जांच, नियमित प्वाइंट ड्यूटी और रात में पुलिस की उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, एसपी ने रात के समय दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों पर नजर रखना और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पटना में दिनदहाड़े छात्र का मर्डर, बीच सड़क गला रेता

एजेंसी, पटना

पटना में दिनदहाड़े बीच सड़क युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान गौरव कुमार(22) के रूप में हुई है। गौरव बीए पार्ट 1 का छात्र था। बदमाशों ने सड़क पर दौड़ाकर गौरव को पटक दिया फिर उसके बाद चाकू से गोद डाला। परिजनों का आरोप है कि डायल 112 को खबर दी गई लेकिन वो लोग वक्त पर नहीं आए। घटना कंकड़बाग थाना इलाके के लोहियानगर के नेक्टर हॉस्पिटल के पास की है। सरेआम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है।

वारदात की कहानी: गौरव लखीसराय के बड़हिया रामनगर हृदनबिगहा का रहने वाला था। उसके पिता पटना में कारोबार करते हैं। गौरव गांव से यहां अपने पिता के पास आया हुआ था।मृतक के भाई सौरव ने बताया कि, 'मंगलवार की शाम MIG पार्क में गौरव ने एक लड़के को सिगरेट लाने के लिए 200 रुपए दिए थे, लेकिन लड़के ने रुपए नहीं लौटाए। जिसके बाद दोनों में विवाद हो गया। विवाद के बाद गौरव को लड़कों ने घेरकर पीटना शुरू कर दिया। गौरव अपनी लोहियानगर स्थित रानी स्टील शटर दुकान पर आया और घटना के बारे में अपने भाई को बताया। हम लोगों ने गौरव का इलाज कराया। लेकिन कुछ देर बाद देखा कि कुछ लड़के हमारे दुकान की रेकी कर रहे हैं।

स्टिक, फाइटर और चाकू लेकर आए थे बदमाश: सौरव ने बताया कि बुधवार की सुबह मेरे भाई को 15 से 20 की संख्या में बदमाश मारने आए थे। बदमाशों के हाथ में स्टिक, फाइटर और चाकू था। हम लोग बीच बचाव करने आए, लेकिन बदमाशों ने मेरे भाई को मेरी दुकान के ठीक गेट पर चाकू से गोद दिया। बीच बचाव में हमारे घरवालों को भी चोटें आईं हैं। घटना के बाद भाई को नेक्टर अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसकी मौत हो गई है। मृतक के भाई सौरव का कहना है कि, घटना के वक्त हमलोग लगातार डायल 112 को कॉल करते रहे, लेकिन पुलिस नहीं आई।

❐ पिता से मिलने लखीसराय से आया था, परिजन बोले-फोन करते रहे पर नहीं आई पुलिस

फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची: घटना के बाद मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और छानबीन में जुट गई। फॉरेंसिक की टीम में सबूत इकट्ठा कर रही है। कंकड़बाग पुलिस का दावा है कि वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

तेजप्रताप बोले- लालू की असली पार्टी जेजेडी

एजेंसी, पटना

तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि, बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा। 8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था। तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं। तेजप्रताप यादव ने कहा कि तेजस्वी राजद का विलय जनशक्ति जनता दल में कर दें। लालू प्रसाद की असली पार्टी जेजेडी ही है। जनशक्ति जनता दल बंगाल चुनाव लड़ेगी, ममता बनर्जी के खिलाफ हम लड़ेंगे। एमएलसी का चुनाव भी बिहार में हमारी पार्टी लड़ेगी। दिल्ली में निगम का चुनाव हमारी पार्टी लड़ेगी। तेज प्रताप ने कहा कि जल्द ही हम पूरे बिहार की यात्रा पर निकलेंगे, कब से निकलेंगे इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। तेजप्रताप ने आगे कहा कि तेजस्वी का इंतजार रात 9 बजे तक करेंगे। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा। इस भोज में तेजप्रताप यादव भी शामिल हुए। इस दौरान विजय सिन्हा से जब सवाल किया गया कि तेजप्रताप को आप NDA में आने का निमंत्रण देंगे। इस पर विजय सिन्हा ने कहा, वक्त पर सब पता चल जाएगा। वहीं तेजप्रताप ने भी कहा कि समय आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरा विजय सिन्हा से व्यक्तिगत संबंध है। हमने भी दही चूड़ा का भोज आयोजित किया है। इन्हें निमंत्रण दिया है।

♦ तेजस्वी राजद का मेरी पार्टी में विलय करें, दही-चूड़ा भोज में लालू ने कहा- अब तेजप्रताप साथ हैं

नए साल में 10,000 से ज्यादा का कटा ट्रैफिक चालान

एजेंसी, पटना

नए साल में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को लेकर 10 हजार से अधिक का चालान कटा है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) के कैमरे द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में 10 हजार से अधिक ट्रैफिक उल्लंघन चिन्हित किए गए हैं। इनमें ओवरस्पीडिंग, हेलमेट नहीं पहनना, ट्रिपल राइडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना बीमा, बिना सीट बेल्ट, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग, ट्रैफिक सिग्नल उल्लंघन और नो पार्किंग जैसे मामले प्रमुख रूप से शामिल हैं। इनमें सबसे ज़्यादा संख्या बिना हेलमेट के पिलियन राइडर एवं रॉन्ग साइड में वाहन शामिल है।

नो-पार्किंग को लेकर विशेष अभियान: नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने पर ICCC के कैमरों द्वारा वाहन नंबर ऑटोमेटिक स्कैन कर सीधे चालान काटा जाएगा।जहां ANPR कैमरे नहीं हैं, वहां ICCC के सर्विलांस कैमरों से ली जा रही है और तस्वीरों के आधार पर भी चालान जारी किए जा रहे हैं। ये अभियान नगर आयुक्त और प्रबंध निदेशक के आदेश से 28 नवंबर से जारी है और अब तक ऐसे 1600 वाहन चिह्नित किए गए हैं।

पटना शहर के नेहरू पथ, बोरिंग रोड, कंकड़बाग, राजा बाजार, फ्रेजर रोड, एग्जीबिशन रोड, पटना जंक्शन क्षेत्र, गांधी मैदान सहित अन्य सभी प्रमुख एवं भीड़भाड़ वाले मार्गों पर रेगुलर और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण, ट्रैफिक जाम में कमी और यातायात को सुगम बनाना है। नगर आयुक्त-सह-प्रबंध निदेशक पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त न किया जाए।

पटना में नीट छात्रा की मौत कैसे हुई, परिजन बोले- दुष्कर्म के बाद हत्या, पुलिस की थ्योरी-रेप नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के एक हॉस्टल में रहने वाली NEET की छात्रा की मौत राज बनता जा रहा है। इस मामले में पुलिस और परिजन आमने-सामने हैं। पुलिस की दलील पर परिजन को भरोसा नहीं है। परिजन का कहना है बेटी की रेप के बाद हत्या की गई है। जबकि पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में सेक्सुअल असॉल्ट की पुष्टि नहीं हुई है। परिजन के मुताबिक, लड़की के शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं, लेकिन पुलिस की ओर से इसपर कोई जवाब नहीं मिला है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बॉडी पर खरोंच के निशान कैसे हैं। SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि पूरे मामले का साइंटिफिक तरीके से इन्वेस्टिगेशन किया जा रहा है। जो तथ्य निकलकर आयेंगे, उसके आधार पर कार्रवाई होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर पूर्ण विराम लगेगा। बिना साक्ष्य किसी पर कार्रवाई नहीं होगी। SSP ने कहा,' लोगों से भी अपील है कि भावनाओं ने नहीं जाएं। फैक्ट्स पर रहें। SSP ने यह भी बताया कि जांच में बहुत सारी और भी जानकारी सामने आई है। जिसकी जिक्र चार्जशीट में होगी। फिलहाल छात्रा के रुम से बेडशीट वगैरह जब्त कर के फोरेंसिक जांच कराई जा रही है'।

डिप्रेशन की शिकार थी : पुलिस के मुताबिक बच्ची की यूरिन की रिपोर्ट जो 8 जनवरी को आई थी, उसमें नींद की दवा का ओवरडोज होना पाया गया था। बच्ची की सर्च हिस्ट्री में 24 दिसंबर और 5 जनवरी को नींद की दवा का क्या असर होता है और सुसाइड कैसे करें, इस तरह की चीज का सर्च पाया गया है। जिससे आशंका हो रही है कि छात्रा डिप्रेशन में थी। मामा का कहना है कि हत्या पूरी तरह से सुनियोजित थी। कमरे में नींद की गोली रखकर मामले को डायवर्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। यहां तक कि हमारी बच्चे के कमरे से हर एक साक्ष्य को मिटाया गया। जो कपड़े पहनी थी, वो हमलोग मांग रहे थे। वो भी नहीं दिया गया। रेप के हत्या की गई है। पुलिस हॉस्टल संचालक से मिली हुई है। पुलिस और हॉस्टल संचालक के बीच मोटी रकम की लेनदेन हुई है। कार्रवाई के बदले उसे लाभ दिया जा रहा है। मेरी बच्ची की बॉडी पर एक दो जगह नहीं कई जगह पर खरोंचने और चोट के निशान हैं। SHO के खिलाफ कार्रवाई की जाए। क्योंकि हॉस्टल वालों को अरेस्ट कर के ले जाया गया और थाने ले जाकर छोड़ दिया गया।ASP सदर अभिनव ने बताया था- मेडिकल बोर्ड के गठन के बाद पोस्टमॉर्टम कराया गया है। इसकी प्रॉपर वीडियोग्राफी हुई है। अब तक की जांच में सेक्सुअल असॉल्ट कन्फर्म नहीं हुआ है। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बच्ची की यूरिन की रिपोर्ट जो 8 जनवरी को आई थी, उसमें नींद की दवा का ओवरडोज होना पाया गया था। बच्ची की सर्च हिस्ट्री में 24 दिसंबर और 5 जनवरी को नींद की दवा का क्या असर होता है और सुसाइड कैसे करें, इस तरह की चीज का सर्च पाया गया है। जांच के लिए बहुत सारी बिंदू है। बच्ची के कंधे पर चोट के निशान हैं। बॉडी पर कुछ खरोंचें हैं। वो भी जांच का विषय है। साक्ष्य के साथ कार्रवाई होगी। हर ऐंगल से इसकी जांच हो रही है। अफवाह फैलाई जा रही है कि बच्ची का गैंग रेप हुआ है, यह बिल्कुल झूठ बात है। पुलिस इमोशन में आकर कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

❐ शरीर पर चोट कैसे इसका जवाब भी नहीं

बिहार रेजिमेंट केंद्र ने 10वां वेटरन्स डे मनाया, राज्यपाल ने वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंट केंद्र में 10वां इंडियन आर्म्ड फोर्स वेटरन्स डे 'शौर्य संवाद' के साथ मनाया गया। वीर नारियों और भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले, राज्यपाल ने अमर जवान शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इसके बाद वे बिहार रेजिमेंट के कलिंगा ग्राउंड पहुंचे, जहां सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और राष्ट्रगान के साथ समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान, झारखंड और बिहार सब एरिया मुख्यालय द्वारा आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में राज्य भर से हजारों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया।

21,000 रुपए सहायता राशि दी

20 वीर नारियों को 21,000 रुपए की सहायता राशि: मुख्य अतिथि राज्यपाल ने सेवा के दौरान दिव्यांग हुए पूर्व सैनिकों को हीरो मोटोकॉर्प के माध्यम से मॉडिफाइड इलेक्ट्रिक स्कूटर प्रदान किए। साथ ही, 20 वीर नारियों को 21,000 रुपए की वित्तीय सहायता और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। भारतीय सेना के विभिन्न अभिलेख कार्यालयों, चुनिंदा बैंकों, भूमि और राजस्व विभागों, एमएसएमई तथा विभिन्न राज्य सरकार के विभागों की टीमें बिहार रेजिमेंटल केंद्र के ऐतिहासिक कलिंगा स्टेडियम में उपस्थित थीं। इन टीमों ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को मौके पर ही शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान की, जिसके लिए मुख्यालय झारखंड और बिहार सब एरिया की इस पहल की सराहना की गई।

सैनिकों का राज्यपाल ने किया धन्यवाद: राज्यपाल ने मातृभूमि के प्रति पूर्व सैनिकों की निस्वार्थ सेवा के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सैनिक हर भारतीय के दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं। राज्यपाल ने कहा, हमारे सैनिक परिवार, जाति और धर्म से ऊपर उठकर सिर्फ देश के बारे में सोचते हैं। वे किसी भी चुनौती से विचलित हुए बिना अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाते हैं।" उन्होंने देश के प्रति उनके निस्वार्थ सेवा और बलिदान की प्रशंसा की।

स्काडा सिस्टम को बनाया जाएगा अत्याधुनिक

एजेंसी, पटना

राजधानी में बिजली के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कैबिनेट ने मंगलवार को 653 करोड़ की राशि मंजूर की है। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी महेंद्र कुमार ने कहा कि पटना सिटी से दानापुर तक 33 केवी और 11 केवी के फीडर को अंडरग्राउंड किया जाएगा। वहीं, कुछ इलाके में एलटी लाइन केबल भी भूमिगत होगा। साथ ही क्वालिटी पावर देने के लिए स्काडा सिस्टम को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इसके माध्यम से 24 घंटे बिजली सप्लाई की मॉनिटरिंग होगी। पेसू में 13 डिविजन हैं। इनमें न्यू कैपिटल डिविजन के सचिवालय इलाके में बिजली का इन्फ्रास्ट्रक्चर अंडरग्राउंड है। डाकबंगला डिविजन के कुछ इलाके में अंडरग्राउंड किया जा रहा है। बाकी इलाके में अभी 33 केवी के कुछ और ज्यादातर 11 केवी फीडर पोल के माध्यम से दौड़ रहे हैं। इनको अंडरग्राउंड किया जाएगा। 60 फीसदी राशि केंद्र देगा : पेसू के सभी 13 डिविजनों में बिजली के तार को अंडरग्राउंड करने, 1000 केवीए के डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर लगाने और स्काड़ा सिस्टम को अत्याधुनिक करने पर 576.74 करोड़ की राशि खर्च होगी।

♦ राजधानी में अंडरग्राउंड होगी बिजली की लाइन, 653 करोड़ रुपए मंजूर

पुनपुन में बेकाबू घोड़े का आतंक, 12 लोग घायल, मारने पर बिदक कर किया था हमला

एजेंसी, पटना

पटना के पुनपुन थाना क्षेत्र के डेहरी गांव में मंगलवार को एक बेकाबू घोड़े ने आतंक मचाया। घोड़े के हमले में बच्चों सहित 12 लोग घायल हो गए, जिससे गांव में दहशत फैल गई। घायलों में 4 और 6 साल के दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे तभी घोड़े ने उन पर हमला कर दिया। सभी घायलों को तत्काल पुनपुन स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

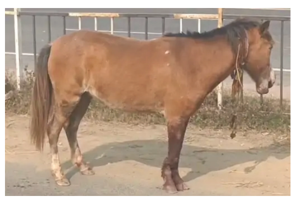

बिदके घोड़े ने गांव में मचाया हंगामा: वार्ड सदस्य उदय कुमार और पूर्व मुखिया अशोक कुमार ने बताया कि, घोड़ा काफी देर तक गांव में हंगामा मचाता रहा। ग्रामीणों ने उसे काबू करने का प्रयास किया, लेकिन वह लगातार लोगों पर हमला करता रहा। कई ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही पुनपुन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए भेजा गया। थाना प्रभारी कौशलेंद्र कुमार ने पुष्टि किया कि, 'मंगलवार शाम को घोड़े की मौत हो गई, जिसके बाद उसके शव को पुनपुन नदी में प्रवाहित कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में घोड़े के बेकाबू होने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि,आशंका जताई जा रही है कि घोड़ा किसी कारणवश घबरा गया था, जिसके चलते उसने लोगों पर हमला किया।

बिहार के 18 जिलों का टेंपरेचर 10 डिग्री से कम

एजेंसी, पटना

बिहार में अभी ठंड से अभी राहत मिलने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने आज 15 जिलों के लिए कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 18 जनवरी को एक पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। 20 से ठंड बढ़ने की आशंका है। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम बिहार में बारिश भी हो सकती है। फिलहाल 18 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे है। 24 घंटे में भागलपुर के सबौर में 5.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

पटना सहित पूरे राज्य में सुबह के समय कुहासा दिखा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही तेज धूप निकल आई। धूप खिलने से लोगों को ठिठुरन भरी ठंड से कुछ राहत मिली है। वहीं पटना में पहली कक्षा से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह 9 बजे से चलेगी। पटना जिले में ठंड कम होने के बाद डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने सुबह 9 बजे से क्लास-1 से सभी कक्षाओं को संचालन की अनुमति दी है। वहीं, 16 जनवरी तक क्लास-1 से नीचे की कक्षाओं में शामिल नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी के कक्षाओं को बंद रखने का आदेश दिया है। इसमें प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र भी शामिल है। इससे पहले डीएम ने 5वीं तक की कक्षाओं को 13 जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया था।

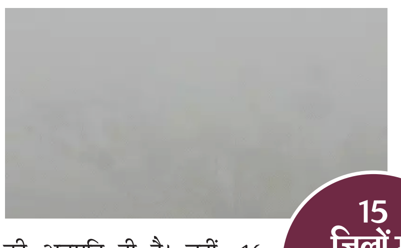

15 जिलों में कोहरे का अलर्ट

18 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे है: 18 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। सबसे कम तापमान भागलपुर के सबौर में 5.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। औरंगाबाद में 7.1, जीरादेई में 7.3, गया में 7.5 और समस्तीपुर में 7.7 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। जबकि डेहरी, सासाराम और बक्सर में 8.0, मधेपुरा और भागलपुर में 8.1, वाल्मीकिनगर में 8.4, छपरा में 8.5 और मधुबनी में 8.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं पूर्णिया और अरवल में 9.1, वैशाली में 9.2, जबकि अगवानपुर और मुंगेर में 9.6 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव फिलहाल कमजोर: मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव फिलहाल कमजोर पड़ा है। हवा की रफ्तार कम होने और नमी की मात्रा अधिक रहने के कारण सुबह के समय कोहरा बन रहा है। दिन में आसमान साफ रहने से धूप निकल रही है, जिससे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यही कारण है कि दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि सुबह और रात में ठंड बनी हुई है।

ख़ास ख़बर

रेवाड़ीः राजस्थान रोडवेज की बस नाले में उतरी, बाल-बाल बचे यात्री

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर हाइवे पर मंगलवार रात को राजस्थान रोडवेज की बस नाले में उतर गई। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। हालांकि स्पीड़ कम होने से एक बड़ा हादसा होने से टल गया और यात्री बाल-बाल बच गये। सूचना मिलने के बाद धारूहेड़ा पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को हाइवे पर एक ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। राजस्थान रोडवेज की बस जयपुर से दिल्ली जा रही थी। बस जैसे ही दिल्ली-जयपुर हाइवे पर गांव खरखड़ा के पास पहुंची तो चालक ने जाम से बचने के लिए बस को सर्विस रोड पर उतार दिया। बस सर्विस रोड पर चल रही थी, उसी दौरान अचानक बस का अगला पहिया सर्विस रोड के साथ पानी निकासी के लिए बने नाले में जा गिरा। अचानक झटके के साथ बस रूकने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस की स्पीड कम थी, जिस कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया और यात्री बाल-बाल बच गये। हालांकि तेज झटका लगने से बस में सवार एक यात्री को मामूली चोटें आई हैं। सूचना के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी।

सोनीपत में पुलिस-बदमाशों मुठभेड़ : दो बदमाश घायल, एक गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में मंगलवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो बदमाश घायल हुए तथा एक बदमाश को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। घायलों को सिविल अस्पताल सोनीपत में भर्ती कराया गया है, जहां पुलिस की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, एंटी गैंगस्टर इकाई के निरीक्षक अजय धनखड़ को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश खेड़ी मनाजात–माजरा मार्ग के आसपास किसी बड़ी वारदात की फिराक में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर निरीक्षक अजय धनखड़ के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक विक्रांत, हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप, पीएसआई विवेक और पीएसआई जितेंद्र की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही बदमाशों ने पीएसआई विवेक और पीएसआई जितेंद्र पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जबकि तीसरे आरोपित को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि पकड़े गए आरोपित सात जनवरी को मल्ला माजरा में हुई लूट और हत्या की वारदात में शामिल थे। बदमाशों ने एक घर में घुसकर लूटपाट की थी। इस दौरान युवक साहिल ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसकी मां के सामने ही उस पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद से आरोपित फरार चल रहे थे और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई थी। जांच में यह भी सामने आया है कि मल्ला माजरा की लूट-हत्या की वारदात कुल छह आरोपितों ने मिलकर अंजाम दी थी। आरोपितों में से एक मृतक का परिचित था, जिसे घर के भीतर की स्थिति और आने-जाने के रास्तों की पूरी जानकारी थी। उसी ने पहले रेकी कर प्रवेश और निकास के रास्तों की सूचना अन्य साथियों को दी थी। मुठभेड़ में घायल बदमाशों की पहचान नाहरा गांव निवासी शेखर और दिल्ली की जेजे कॉलोनी निवासी सफीक के रूप में हुई है, जबकि तीसरे आरोपित सद्दाम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो देसी कट्टे, एक बैग और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

राज्य उपभोक्ता आयोग : बीमा कंपनी को बीमा राशि ब्याज सहित लौटाने के आदेश

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर द्वितीय के आदेश को रद्द करते हुए अपील मंजूर कर व्यवस्था दी है कि कोरोना रक्षक बीमा पॉलिसी में कोविड पॉजिटिव होने पर बीमाधारक अस्पताल में न्यूनतम 72 घंटे भर्ती रहता है तो बीमा कंपनी को सम्पूर्ण बीमा राशि अदा करनी होगी। आयोग के न्यायिक सदस्य सुरेन्द्र सिंह और सदस्य रामनिवास सारस्वत ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी पर 25 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए बीमा राशि ढाई लाख रुपए मय 9 फीसदी ब्याज और वाद व्यय पांच हजार रुपए एक माह में अदा करने के आदेश दिए। रिंकेश कर्णावट की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि जिला आयोग द्वारा पूर्व में परिवाद खारिज किए जाने को राज्य आयोग ने रद्द कर जिला आयोग को निर्देश दिए कि अरिहंत मल्टी अस्पताल और डॉ दीपक भंडारी को पक्षकार बनाते हुए चार बिंदुओं को तय कर निस्तारण का आदेश दिया। अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि अस्पताल और डॉक्टर ने चारों बिंदु का जवाब और साक्ष्य पेश किया,लेकिन जिला आयोग ने चारों बिंदु,जो कि अपीलार्थी के पक्ष में थे,उनकी अनदेखी करते हुए मानवीय आधार पर महज पचास फीसदी राशि का परिवाद मंजूर कर गलत किया है सो अपील मंजूर की जाएं। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि मरीज को अस्पताल के आई सी यू में भरती किए जाने की जरूरत ही नहीं थी। राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपील मंजूर करते हुए बीमा कंपनी पर 25 हजार रुपए हरजाना लगाते हुए कहा कि डॉ एस एन मेडिकल कॉलेज की रपट से स्पष्ट है कि मरीज कोरोना पॉजिटिव था और अस्पताल में 25 से 29 अप्रैल 2021 तक भरती रहा। अस्पताल और डॉक्टर के जवाब पर गौर किए बिना ही आधी राशि ही बिना युक्तियुक्त कारण के दिलाया जाना न्यायोचित नहीं है,जबकि बीमा पॉलिसी में कोविड पॉजिटिव और न्यूनतम 72 घंटे अस्पताल में भर्ती की ही शर्त है और भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार बीमा कंपनी यह साबित नहीं कर पाई कि संबंधित अस्पताल में कोविड रोगी को भर्ती नहीं किया जा सकता हो। उन्होंने बीमा कंपनी को एक माह में संपूर्ण बीमा राशि ढाई लाख रुपए मय 9 फीसदी ब्याज और वाद व्यय पांच हजार रुपए पूर्व में अदा की गई राशि को समायोजित करते हुए अदा करने का आदेश दिया।

वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ खुले पंच बद्री में प्रथम आदिबद्री मंदिर के कपाट

लोकतंत्र की शान : देहरादून। मकर संक्रांति पर आदिबदरी मंदिर का कपाट विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए हैं। परम्पराओं के अनुसार मंदिर के कपाट वर्षभर में पौष माह के लिए बंद किए जाते हैं। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही आदिबदरी में सात दिवसीय श्री आदिबदरी महाभिषेक समारोह तथा शीतकालीन पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास मेले का भी शुभारंभ हो गया है। मकर संक्रांति के मौके पर ब्रह्म मुहूर्त में पुजारी चक्रधर प्रसाद थपलियाल ने कपाट खुलने के मौके पर अभिषेक पूजा संपन्न करवाई। जिसके बाद भगवान नारायण को भोग और पंच ज्वाला आरती के बाद मंदिर में दर्शनों की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सात दिवसीय महाभिषेक समारोह का शुभारंभ कर दिया गया है।

मकर संक्रांति एवं सतगुरुपर्व के मद्देनजर नगर में चला विशेष सफाई अभियान

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मकर संक्रांति एवं सतगुरुपर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु बुधवार प्रातः नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व पर प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों के आसपास प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों में व्यापक स्तर पर सफाई कार्य स्वच्छता मित्रों द्वारा किया गया। वही सतगुरु पर्व को दृष्टिगत रखते हुए माधव नगर जुलूस मार्ग सहित अन्य विभिन्न मुख्य मार्गों की विशेष सफाई की गई । इस दौरान पुराने गुरुद्वारा से अस्पताल रोड की धुलाई का कार्य भी किया गया। सड़कों में झाड़ू, कचरे का नियमित उठाव, नालियों की सफाई एवं अपशिष्ट का उठाव कर मार्ग को चूने से रेखांकित किया जाकर स्वच्छता अमले द्वारा दो पालियों में कार्य करते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि त्योहारों के दौरान नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके।

कीटनाशक दवा का छिड़काव–नागरिकों की स्वास्थ्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जगमोहन दास वार्ड के विभिन्न गलियों में कीटनाश दवा का छिड़काव किया जाकर मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण के प्रयास किए गए। नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने दैनिक सफाई व्यवस्था के तहत नगर के मुख्य एवं अन्य मार्गों की सफाई, मोहन घाट पहुंच मार्ग, शेर चौक जुलूस मार्ग, संजय नगर अमीरगंज, माधव नगर स्टेशन के बाहर एवं पहुंच मार्ग, बस स्टैंड सहित मुख्य मार्गों के डिवाइडर की सफाई कराई जाकर सुगम जल निकासी हेतु नाले नालियों की सफाई कराई गई।

पलवल पुलिस ने जिसे नशे से मौत बताया वह हत्या निकली, एसआईटी की जांच में खुलासा

लोकतंत्र की शान

पलवल। पलवल जिले में युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जिसे पुलिस ने पहले नशे की ओवरडोज से मौत बताया था, वह मामला अब हत्या का निकला है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के आदेश पर गठित एसआईटी की जांच में यह खुलासा होने के बाद कैंप थाना पुलिस ने तीन नामजद सहित 4-5 अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के घरबरा गांव निवासी सैफ, जो वर्तमान में पलवल के राजीव नगर में रहते हैं, ने कैंप थाना पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनका 25 वर्षीय भाई आजाद उर्फ नन्हे होडल में सैलून चलाता था। 13 मई 2024 को आजाद उनसे मिलने पलवल आया था। अगले दिन 14 मई की सुबह पुलिस ने सूचना दी कि आजाद का शव जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखा है। सैफ का कहना है कि जब उन्होंने और उनके भाई सहजाद ने शव देखा, तो आजाद के शरीर पर गहरे चोटों के निशान थे। पसलियां टूटी हुई थीं और सिर, माथे, छाती व गुप्तांगों पर गंभीर चोटें थीं। इसके बावजूद पुलिस ने मौत का कारण नशे की ओवरडोज बताया। परिजनों का कहना था कि आजाद शराब का सेवन नहीं करता था, जिससे पुलिस की कहानी पर संदेह और गहरा गया। शिकायत में सैफ ने आरोप लगाया कि मोहन नगर निवासी गौरव आजाद को अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया था। अलावलपुर चौक के पास एक होटल में गौरव, अज्जू, बहरौला गांव के ललित और एक किन्नर सहित 4-5 लोग मौजूद थे। आरोप है कि सभी ने मिलकर आजाद को जबरन शराब पिलाई और फिर उसे गाड़ी में डालकर किसी अन्य स्थान पर ले गए, जहां बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि कैंप थाना के तत्कालीन जांच अधिकारी ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की और उन्हें धमकाकर भगा दिया। इसके बाद मजबूर होकर परिवार ने हरियाणा मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया।

फतेहाबाद : कर्मचारी 19 को जिला मुख्यालय पर करेंगे प्रदर्शन : दुसाद

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। सर्व कर्मचारी संघ जिला फतेहाबाद की बैठक बुधवार को 33 केवी बिजलीघर स्थित यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरजीत दुसाद ने की व संचालन जिला सचिव रामनिवास शर्मा ने किया। बैठक में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मांगों को लेकर 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई और निर्णय लिया गया कि इस हड़ताल में जिले के कर्मचारी बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। इन मांगों को लेकर कर्मचारियों द्वारा 19 जनवरी को जिला स्तर पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा तथा 12 फरवरी की हड़ताल का नोटिस भी दिया जाएगा। संघ के राज्य महासचिव कृष्ण नैन ने कहा कि केंद्रीय मजदूर संगठनों एवं कर्मचारी संघों के आह्वान पर 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल के माध्यम से मांग की जाएगी कि मजदूर विरोधी लेबर कोड्स रद्द किए जाएं। न्यूनतम वेतन 30 हजार लागू हो, ठेका प्रथा व निजीकरण बंद हो, अस्थायी/कच्चे कर्मचारियों/स्कीम वर्कर्स को स्थाई किया जाए, खाली पदों पर स्थाई भर्ती की जाए। निर्माण मजदूरों का पोर्टल चालू हो, सबके लिए एक समान व निःशुल्क शिक्षा का प्रबंधन हो, मनरेगा बहाल कर 200 दिन काम और 800 रुपये मजदूरी तय हो। न्यूनतम पेंशन 10 हजार मासिक की जाए, बिजली बिल 2025 रद्द हो, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाए। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, ट्रांसपोर्ट क्षेत्र/वाहन चालकों, रेहड़ी-पटरी मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा कानून लागू हो। बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई का निर्णय वापस लो, एलआईसी के शेयरों के विनिवेशीकरण पर रोक लगे। सभी फसलों पर एमएसपी व खरीद की गारंटी हो। किसान-मजदूरों के कर्ज माफ किए जाएं व बीज विधेयक 2025 रद्द हो। बैठक में 15 जनवरी को जींद में होने वाले महासम्मेलन को सफल बनाने का फैसला हुआ।

बड़वारा पुलिस ने 25 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे

» लगभग 2.5 लाख मूल्य के मोबाइल फोन लौटाकर नागरिकों को दिलाया गया राहत

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन में जिले में गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी हेतु सतत एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना बड़वारा पुलिस एवं साइबर सेल कटनी द्वारा एक सराहनीय कार्य करते हुए कुल 25 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 2.5 लाख है। उक्त मोबाइलों के गुम होने के पश्चात संबंधित नागरिकों द्वारा दूरसंचार विभाग के CEIR पोर्टल / 'संचार साथी' एप पर शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल एवं बड़वाया पुलिस टीम को मोबाइल बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशों के पालन में साइबर सेल एवं थाना बड़वारा पुलिस टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण एवं मैनुअल जांच के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर गहन पड़ताल की गई। सतत प्रयासों एवं प्रभावी तकनीकी कार्रवाई के परिणामस्वरूप विभिन्न कंपनियों के कुल 25 गुमशुदा मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए। दिनांक मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटनी श्री संतोष डेहरिया द्वारा थाना बड़वारा पहुंचकर विधिवत प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सभी बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। अपने मोबाइल पुनः प्राप्त कर नागरिकों के चेहरों पर खुशी और संतोष देखने को मिला। कटनी पुलिस आमजन से अपील करती है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तुरंत CEIR पोर्टल / संचार साथी पर शिकायत दर्ज कराएं एवं स्थानीय थाने को सूचित करें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

मकर संक्रांति पर 'डूंचकी' ने भरी आजादी की उड़ान

लोकतंत्र की शान

उदयपुर। उदयपुर संभाग के आदिवासी अंचल में मकर संक्रांति की सुबह एक अनूठी परंपरा के साथ शुरू हुई। सूरज निकलते ही बच्चों की टोलियां हाथों में नन्हीं चिड़ियाओं डूंचकियां लिए घर-घर निकल पड़ीं। गलियों में गूंजती रही टेर "खीचड़ो आलो के, डूंचकी मारूं"। इस टेर को सुनकर घरों से महिलाएं बाहर आईं और बच्चों को खीचड़ा दिया। खीचड़ा मिलते ही बच्चे एक-एक कर डूंचकी को आज़ाद करते गए। यह दृश्य सिर्फ उत्सव का नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रतीक था। दरअसल, दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों में मकर संक्रांति पर निभाई जाने वाली यह परंपरा दान और भोजन तक सीमित नहीं है। डूंचकी एक नन्हीं चिड़िया को आदिवासी स्थानीय भाषा में यही नाम दिया गया है। बच्चे मकर संक्रांति से पहले इन चिड़ियों को सहेज कर रखते हैं और पर्व के दिन उन्हें सम्मान के साथ मुक्त करते हैं। यह परंपरा चराचर जीव-जगत की रक्षा का संदेश देती है। आदिवासी समाज मानता है कि पक्षियों की रक्षा केवल उन्हें बचाने से नहीं होती, बल्कि उनके घरों, पेड़ों और जंगलों को सुरक्षित रखने से भी होती है। इसी सोच के साथ मकर संक्रांति को पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के पर्व के रूप में मनाया जाता है। डूंचकी की यह सामूहिक मुक्ति दरअसल आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाने का अवसर है कि प्रकृति, पक्षी और पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना अधूरी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पतंग उड़ाकर किया पतंग उत्सव का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति पर्व की परंपरा में सहभागिता निभाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने लोक-कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सात संभाग स्तर एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर आयोजित पतंग उत्सव में रंग-बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ सहित अन्य अधिकारी, देशी-विदेशी पर्यटक और आमजन उपस्थित रहे।

कुर्मांचल परिषद के पदाधिकारियों ने मंत्री गणेश जोशी से की भेंट

लोकतंत्र की शान

देहरादून। मकर संक्रांति एवं घुघुतिया त्यार (उत्तरायणी पर्व) के अवसर पर कुर्मांचल परिषद के पदाधिकारियों ने आज कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से उनके शासकीय आवास पर भेंट की। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को घुघुति की माला पहनाकर मकर संक्रांति, घुघुतिया त्यार एवं उत्तरायणी पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सभी को मकर संक्रांति एवं उत्तरायणी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व समाज में आपसी भाईचारे, सौहार्द और लोक संस्कृति को सशक्त करने का कार्य करते हैं।

जमीन की धोखाधड़ी व चैक बाउंस, आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

हरिद्वार। जमीन के मामलों में लोगों के धोखे से पैसे हड़पने व चैक बांउस के कई मामलों में फरार चल रहे शातिर ठग को रानीपुर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के खिलाफ कई थानों में मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबि 08 मार्च 2024 को प्रमोद पुत्र फूल सिंह निवासी बी- ब्लॉक टिहरी विस्थापित कालोनी रानीपुर हरिद्वार ने पुलिस को तहरीर देकर संजय कुमार पुत्र अजीत सिंह निवासी पीएसी रोड टिहरी विस्थापित कालोनी कोतवाली रानीपुर हरिद्वार व उसके अन्य तीन साथियों के विरूद्ध जमीन बेचने के नाम पर 14 लाख रूपये हडपने व रुपये मांगने पर घर में घुसकर मारपीट, गाली गलौच करने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया था। जांच में आरोपित संजय के खिलाफ पुलिस को पुख्ता सुबूत मिले। आरोपित की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी, किन्तु आरोपित पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। आरोपित के खिलाफ थाना रानीपुर के अतिरिक्त थाना ज्वालापुर में भी लोगों से जमीन खरीदने बेचने के नाम पर लाखों रुपयों की धोखाधडी कर मामले दर्ज होने की जानकारी मिली। आरोपित के खिलाफ न्यायालय में चैक बाउन्स सम्बन्धी कई मामले विचाराधीन होना भी प्रकाश में आया। आरोपित के लगातार फरार रहने के कारण पुलिस ने आरोपित के खिलाफ गैर जमानती वारंट प्राप्त किए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपित संजय कुमार पुत्र अजीत सिंह निवासी नेशनल सर्विस सैन्टर निकट शनिदेव मन्दिर पीएसी रोड टिहरी विस्थापित कालोनी रानीपुर हरिद्वार उम्र 40 वर्ष को आज उसके मकान से धर दबोचा। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपित का चालान कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

हाथ से सिलकर बना जहाज 'कौंडिन्य' भारत से ओमान पहुंचा, इसमें बिजली नहीं थी

नई दिल्ली। इंडियन नेवी का प्राचीन पाल विधि से निर्मित जहाज INSV कौंडिन्य बुधवार को 18 दिनों की यात्रा पूरी कर गुजरात से ओमान पहुंच गया। कौंडिन्य ने 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से यात्रा शुरू की थी और 14 जनवरी को ओमान के मस्कट पहुंचा। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 5वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी।

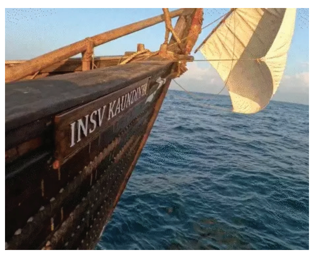

अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शिप के ओमान पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने स्किपर कमांडर विकास श्योराण और प्रोजेक्ट हेड हेमंत कुमार के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए X पर लिखा- इस पल का आनंद ले रहे हैं... हमने कर दिखाया। जहाज के एक अन्य क्रू सदस्य हेमंत ने पोस्ट किया- लैंड अहोय! मस्कट दिख गया। गुड मॉर्निंग इंडिया, गुड मॉर्निंग ओमान। समुद्री मार्ग से बिना रुके अकेले विश्व का चक्कर लगाने वाले पहले भारतीय, रिटायर्ड नौसेना कमांडर अभिलाष टॉमी ने भी कौंडिन्य की टीम को बधाई दी।

यूपी के 19 शहरों का टेम्परेचर शिमला से कम

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/देहरादून। उत्तर प्रदेश में बुधवार को तेज सर्दी का असर है। राज्य के 19 शहरों का मिनिमम टेम्परेचर शिमला (6.6°C) से कम रहा। सबसे कम टेम्परेचर 2.1°C मुजफ्फरनगर का रहा। मेरठ-संभल समेत 25 जिलों में घना कोहरा छाया है। बिजनौर में बस पलटने से 38 यात्री घायल हुए हैं। हरियाणा में आज सीवियर कोल्डवेव का ऑरेंज अलर्ट है। 14 जिलों में तेज सर्दी का ऑरेंज अलर्ट है। बाकी जिलों में घना कोहरा और कोल्ड डे की स्थिति रहेगी। पिछले 24 घंटों में हरियाणा का अधिकतम टेम्परेचर 3.8°C गिरा है। करनाल में तापमान 10.0°C रहा। राजस्थान के 5 जिलों में सर्दी का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार से प्रदेश का मौसम साफ रहेगा। कोल्डवेव से भी राहत मिलेगी। मंगलवार को राज्य में अधिकतम तापमान 27.0°C पहुंचा। गंगानगर, हनुमानगढ़ को छोड़कर बाकी जिलों में अधिकतम तापमान 20°C-27°C के बीच रहा। बिहार के 18 जिलों में मिनिमम टेम्परेचर 10°C से नीचे रहा। सबसे कम भागलपुर के सबौर में 5.9°C रहा। पटना में पहली से 12वीं तक की क्लास सुबह 9 बजे से चलेंगी। उत्तराखंड में पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में झरने जम गए हैं। तापमान भी माइनस 16 °C है। तमिलनाडु के चेन्नई में आज स्मोक और घने कोहरे के कारण चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 8 फ्लाइट रद्द की गई। 10 फ्लाइट 1 से 3 घंटे की देरी से ऑपरेट हो रही हैं।

तेलंगाना के गांवों में हफ्तेभर में 500 कुत्तों की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं। बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 500 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, इन घटनाओं में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सामने आ रही है। ताजा मामला कामारेड्डी जिले का है। यहां पालवंचा मंडल के 5 गावों- भवानीपेट, पालवंचा, फरीदपेट, वाड़ी और बंदारामेश्वरपल्ली गांवों में बीते दो-तीन दिनों में करीब 200 आवारा कुत्तों को मारने का आरोप है। पुलिस ने पांच सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले, हनमकोंडा जिले के श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में 6 जनवरी से 9 जनवरी के बीच लगभग 300 आवारा कुत्तों की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस संबंध में दो महिला सरपंचों और उनके पतियों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। गांवों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में ग्राम पंचायत चुनाव हुए थे। इस दौरान कुछ उम्मीदवारों ने आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या से निपटने का वादा किया था। आरोप है कि चुनाव जीतने के बाद वही वादे कुत्तों को मारकर पूरे किए जा रहे हैं। एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट अदुलापुरम गौथम ने मछारेड्डी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि भवानीपेट गांव में उन्हें कुत्तों के शव पड़े मिले और बाद में पता चला कि आसपास के अन्य गांवों में भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं।

तत्तापानी में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, 3 क्विंटल खिचड़ी प्रसाद बांटा

तत्तापानी, शिमला। हिमाचल प्रदेश के तत्तापानी में 'मकर संक्रांति' पर आज (बुधवार को) सुबह से हजारों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। अभी भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के साथ साथ तुलादान भी करवा रहे हैं। शिमला से 56 किमी दूर तत्तापानी में सुबह 4 बजे से ही गर्म पानी के स्रोत में स्नान चल रहा है। तत्तापानी की खासियत यह है कि यहां गर्म पानी निकलता है। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से त्वचा संबंधी रोग दूर होते हैं। मकर संक्रांति पर आज यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आज 3 क्विंटल खिचड़ी भोग के रूप में परोसी जा रही है। यहां पर साल 2020 में साढ़े 4 क्विंटल खिचड़ी परोसने का पहले ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुका है। तत्तापानी में संक्रांति पर हरियाणा के यमुनानगर से लाए पतीले में खिचड़ी बनाई गई थी। राज्य के राजस्व मंत्री जगत नेगी भी आज तत्तापानी पहुंचे। उन्होंने देश व प्रदेशवासियों को इस पर्व की शुभकामनाएं दीं। तत्तापानी के पंडित टेकचंद शर्मा ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी 22 सितंबर 1952 को तत्तापानी आए थे और यहां स्नान कर चुके हैं। तब उन्होंने यहां स्नान सरोवर का उद्घाटन किया था। इसकी उद्घाटन पट्टिका को समाज सेवी प्रेम रैना ने आज भी अपने होटल में संजो कर रखा है। हालांकि, राष्ट्रपति ने जिस सरोवर का उद्घाटन किया, वह अब डैम में जलमग्न हो चुका है।

नशे के लिए युवती ने बुजुर्ग को नंगा किया, बहाने से घर ले गई, मदद के बहाने कमरे में बुलाया

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में नशेड़ी युवती ने अंकल कह मीठी-मीठी बातें कर एक बुजुर्ग को अपने जाल में फंसा लिया। चिट्टा खरीदने के लिए वह बहाने से बुजुर्ग को अपने साथ ले गई। फिर सामान लाने के बहाने उसे अंदर ले गई। अंदर जाते ही उसके कपड़े उतार दिए। फिर अश्लील वीडियो बना लिया। तभी अचानक युवती के 2 और साथी वहां आ गए। उन्होंने बुजुर्ग से मारपीट की। ATM कार्ड छीन लिया। फिर जबरन उसके अकाउंट से रुपए निकलवाए। जिससे उन्होंने नशा खरीदा। मामला 11 जनवरी का है लेकिन बुजुर्ग ने पुलिस को शिकायत की तो पूरा मामला सामने आया। मेरा नाम मंगल सिंह है। मेरा गांव मलिकपुर बोदला है। मैं शाम 5 बजे के करीब बस स्टैंड की मछली मार्केट के पास खड़ा था। मेरे पास एक लड़की आई। 20 से 25 साल उम्र की थी। कहने लगी कि आप फ्री हो। मैंने कहा कि हां फ्री हूं। मुझे कहा कि गांव लोधी चक्क जाना है। वहां से अटैची लानी है। मुझे पूछा कि कितने पैसे लोगे। मैंने कहा कि 500 रुपए लूंगे। इस पर लड़की ने कहा कि ठीक है अंकल। मैंने ऑटो स्टार्ट किया और लड़की को बिठा लिया। यहां से वह मेरे साथ अकेले ही गई।

थाईलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 29 की मौत, 67 घायल

ज्यादातर स्कूली छात्र, 65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा, डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी, थाईलैंड

थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक हादसे में 29 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी। ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला यह दुर्घटना नाखोन राचासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे के वक्त ट्रेन राजधानी बैंकॉक से उबोन राचाथानी जा रही थी। क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिरा, जिनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा लोग सवार थे। इन्हीं डिब्बों में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। न्यूज वेबसाइट

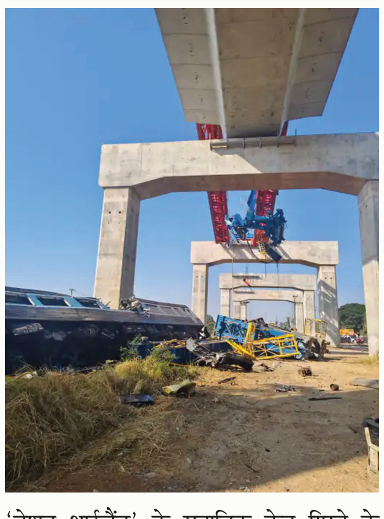

'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई।

बचाव दल ने अब तक 12 शव बरामद किए: हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कई यात्री डिब्बों में फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग और स्प्रेडिंग उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। अब तक 12 शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन और रेलवे अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्रेन क्यों गिरी और सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं। स्थानीय लोग और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में हैं।

ट्रेन का डिब्बा दो हिस्सों में कटा: घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय निवासी ने AFP समाचार एजेंसी को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी, जिसके बाद दो विस्फोट हुए। निवासी ने कहा , "जब मैं यह देखने गया कि क्या हुआ है, तो मैंने पाया कि क्रेन एक यात्री ट्रेन पर पड़ी हुई थी। क्रेन से निकला मेटल का टुकड़ा ट्रेन के बीचों-बीच जा टकराया, जिससे वह दो हिस्सों में कट गया।"

कर्नाटक में राहुल के स्वागत पर विवाद सीएम-उपमुख्यमंत्री एयरपोर्ट पहुंचे

एजेंसी, बेंगलुरु

जर्मन चांसलर के वेलकम में मंत्री गए, बीजेपी बोली- हाईकमान को खुश करना उनकी प्राथमिकता

कर्नाटक में एक ही दिन, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के पहुंचने के बाद उनके स्वागत को लेकर विवाद खड़ा गया है। भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर राज्य की ग्लोबल प्रतिष्ठा से ज्यादा अपने हाईकमान को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। दरअसल, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज पिछले कुछ दिनों से भारत दौर पर हैं। वे मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। वहां उनका स्वागत कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल और सीनियर अधिकारियों ने किया। दूसरी तरफ, राहुल तमिलनाडु जाते समय मैसुरु एयरपोर्ट पर थोड़ी देर रुके। वहां उनके स्वागत के लिए CM सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे थे। भाजपा ने इस पर आपत्ति जताई। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मंगलवार को इस मुद्दे को रखा।

भाजपा नेता बोले- यह पूरे राज्य का अपमान है: आर अशोक ने जर्मन चांसलर और राहुल गांधी के अलग-अलग एयरपोर्ट पर स्वागत की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा- 'मिसप्लेस्ड प्रायोरिटी, मिस्ड ऑपर्च्युनिटी'। आर अशोक ने आगे लिखा आज जर्मनी के फेडरल चांसलर ने कर्नाटक का दौरा किया। यह हमारे राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक क्षण है। कोई भी अन्य जिम्मेदार मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करता कि ऐसे दौरे को वैसी गंभीरता दी जाए जिसके वह हकदार है। यह कर्नाटक के लिए निवेश, उद्योग, रोजगार और दीर्घकालिक विकास के एक अवसर है। लेकिन आज की स्थिति देखिए। जर्मन चांसलर के बेंगलुरु में उतरने के बावजूद, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने मैसूरु में राहुल गांधी के स्वागत को तवज्जो दी, जो केवल ऊटी के लिए ट्रांजिट में थे। जर्मनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है।

मकर संक्रांति-मांझे से यूपी में डॉक्टर का गला कटा, मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर में मकर संक्रांति दो दिन मनाई जा रही है। कुछ जगह 14 जनवरी को तो कुछ जगह 15 जनवरी को मनाई जाएगी। दरअसल, सूर्य आज दोपहर करीब 3.20 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस वजह से अगले दिन यानी 15 जनवरी को जो सूर्योदय होगा, उसमें सूर्य मकर राशि में रहेगा, इसलिए 15 तारीख को मकर संक्रांति का पुण्यकाल रहेगा। गंगा, नर्मदा, शिप्रा नदियों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। प्रयागराज संगम पर दोपहर 1 बजे तक 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। रात 12 बजे से मकर संक्रांति का स्नान शुरू हो जाएगा।

जयपुर, अहमदाबाद, भोपाल में लोगों ने पतंगे उड़ाईं। गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के नारणपुरा में परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ

कर्नाटक में बाइकर की जान गई, प्रयागराज संगम पहुंचे 50 लाख लोग, नर्मदा-शिप्रा घाट पर भीड़

पतंग उड़ाई। पेंच लड़ाते वक्त उनकी पतंग को दूसरे पतंगबाज ने काट दिया। वहीं, मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान हादसे भी सामने आ रहे हैं। यूपी के जौनपुर में मांझे से गर्दन कटने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। एमपी के इंदौर और राजस्थान के बांसवाड़ा में दो बाइक सवारों की चाइनीज मांझे से गर्दन कट गई। दोनों अस्पताल में एडमिट हैं। कर्नाटक में भी मांझे से गला कटने से एक 48 साल के बाइक सवार की मौत हो गई।

लश्कर के आतंकी की हिंदुओं का गला काटने की धमकी

एजेंसी, इस्लामाबाद

आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी अबू मूसा कश्मीरी ने हिंदुओं की गर्दन काटने की धमकी दी है। उसने यह बयान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, हालांकि ये कब का है इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। वीडियो में अबू मूसा कहता है- कश्मीर मुद्दे का हल सिर्फ आतंकवाद और जिहाद से ही हो सकता है। आजादी भीख मांगने से नहीं, हिंदुओं की गर्दन काटने से मिलेगी। हमें जिहाद का झंडा उठाना होगा। अबू मूसा कश्मीरी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट का मेंबर है। उसका नाम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले से भी जुड़ा था।

पाकिस्तानी नेताओं पर इस्लामी सिद्धांतों से भटकने का आरोप: अपने भाषण में अबू मूसा कश्मीरी ने पाकिस्तानी नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसने कहा कि

पाकिस्तान के नेता इस्लामी सिद्धांतों से भटक चुके हैं और जिहाद के रास्ते पर नहीं चल रहे हैं। उसने कहा कि जो नेता जिहाद के लिए प्रतिबद्ध नहीं है, उसे पाकिस्तान पर हुकूमत करने का कोई अधिकार नहीं है। अबू मूसा ने कहा जो नेता नमाज की परवाह नहीं करता, कलमा के लिए वफादार नहीं है, शहीदों के खून की कद्र नहीं करता और जिहाद का झंडा नहीं उठाता, उसे इस देश पर राज करने का कोई हक नहीं है। उसने दावा किया कि वह पहले भी ऐसे ही बयान मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ हुई एक बैठक में दे चुका है। उसने कहा कि वो हाथों से, जुबान से और कलम से जिहाद

♦ वायरल वीडियो में कहा- कश्मीर को आजादी भीख मांगने से नहीं, जिहाद से मिलेगी

करेंगा और इस रास्ते पर चलते हुए अल्लाह के पास लौटेगा।

अबू मूसा कश्मीरी पिछले साल 22 अप्रैल में हुए पहलगाम हमले में भी शामिल था। दैनिक भास्कर ने तब पड़ताल की थी कि आखिर पहलगाम अटैक के दौरान पाकिस्तान से आतंकियों को कौन आदेश दे रहा था। इस दौरान दो पाकिस्तानी हैंडलर के नाम मिले थे। पहला अबू मूसा और दूसरा रिजवान हनीफ। दोनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेटिंग कमांडर हैं। इन्हीं दोनों ने मुरीदके में अफगान को ट्रेनिंग भी दी थी। हालांकि, सूत्रों का दावा था कि पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड अबू मूसा ही है। ये सैफुल्लाह कसूरी का करीबी भी है।

हमास की स्टाइल में अटैक करने के पीछे भी अबू मूसा की ट्रेनिंग और दावे की बात का खुलासा किया था। अबू मूसा का पहलगाम अटैक से 4 दिन पहले वीडियो भी वायरल हुआ था। दरअसल, 18 अप्रैल को लश्कर के एक कार्यक्रम में अबू मूसा ने कश्मीर में हिंदुओं को मारने का जिक्र किया था।

इसके साथ ही ये भी कहा था, 'गाजा और कश्मीर का एक ही मसला है और दोनों मसलों का एक ही हल है। वो है जिहाद। हमें भीख नहीं, आजादी चाहिए। फिलिस्तीन और कश्मीर के जो दुश्मन हैं, वो हमारे दुश्मन हैं। जब इजराइल को घुटने पर ले आए, तो कश्मीर में भी करेंगे।' अबू मूसा कथित तौर पर 'जम्मू-कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट' (JKUM) का नेतृत्व करता है। ये तस्वीर पिछले साल 18 अप्रैल को हुए उसी आयोजन की है, जिसमें उसने कश्मीर की तुलना गाजा-फिलिस्तीन से की थी।

ईरान में हालात बिगड़े, भारत बोला- हमारे नागरिक तुरंत निकलें, तेहरान में एक साथ 300 शवों को दफनाया जाएगा

एजेंसी, तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान में हिंसक प्रदर्शन की वजह से भारत सरकार ने बुधवार को नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए। इस एडवाइजरी में कहा गया है कि यह सलाह 5 जनवरी की पिछली एडवाइजरी के आगे की कड़ी है और ईरान की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए दी गई है। सरकार ने यह भी दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहना चाहिए। ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखें ताकि किसी भी नई जानकारी से अवगत रहें।

दावा- ईरान में 12 हजार लोगों की मौत ईरान में बुधवार शाम 300 शवों को दफनाया जाएगा। अंग्रेजी अखबार द गार्डियन के मुताबिक, शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ सुरक्षा बलों के

प्रदर्शनकारी को सरेआम फांसी मिलेगी

शव भी शामिल होंगे। ये कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में हो सकता है। प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अब तक 2,550 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 2,403 प्रदर्शनकारी और 147 सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं। हालांकि ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देशभर में कम से कम 12 हजार लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं।

26 साल के प्रदर्शनकारी को फांसी दी जाएगी: ईरान में 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को आज फांसी दी जा सकती है। द गार्डियन के मुताबिक उन्हें 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। 11 जनवरी को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। उन पर हिंसा भड़काने और 'ईश्वर के खिलाफ जंग छेड़ने' जैसा आरोप लगाया गया। इस मामले में आगे कोई ट्रायल नहीं होगा, परिवार को सिर्फ 10 मिनट के लिए आखिरी मुलाकात का मौका मिलेगा। ईरान में हिंसक विरोध प्रदर्शन का आज 18वां दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान में अधिकारी सरकार के खिलाफ विद्रोह पर कार्रवाई में लोगों को फांसी देना शुरू करते हैं तो अमेरिका कड़ा जवाब देगा। इसके बाद ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और इजराइली PM नेतन्याहू को ईरान में लोगों का हत्यारा बताया।

ग्रीनलैंड के पीएम बोले- अमेरिका नहीं डेनमार्क को चुनेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि अगर ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क को चुनेगा। उन्होंने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं। नीलसन ने यह बात 13 जनवरी को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। यह बयान अमेरिका की संसद में ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने से जुड़े बिल के पेश होने के बाद पहला आधिकारिक बयान है। नीलसन के बयान पर ट्रम्प ने कहा कि मैं उन्हें नहीं जानता और इस बात पर उनसे सहमत नहीं हूं।। ये प्रधानमंत्री के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। अमेरिकी संसद में

12 जनवरी को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम का बिल पेश किया गया था। इसका मकसद ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना और बाद में उसे अमेरिका का राज्य बनाना है। अगर यह बिल पास होता है, तो ग्रीनलैंड अमेरिका का 51वां राज्य बन सकता है। नीलसन ने कहा कि डेनिश कॉमनवेल्थ का हिस्सा होने के नाते ग्रीनलैंड NATO का सदस्य है और इसलिए ग्रीनलैंड की रक्षा नाटो को ही करनी चाहिए। वहीं डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अपने सबसे करीबी सहयोगी से मिल रहे इस तरह के प्रेशर का सामना करना आसान नहीं है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

एजेंसी, कोलकाता

कलकत्ता हाइकोर्ट ने IPAC रेड मामले में बुधवार को TMC की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी (ED) ने 8 जनवरी को IPAC के IT हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। इस पर जांच एजेंसी के वकील ASG राजू ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि एजेंसी ने पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज किया जाता है। सुनवाई के दौरान ED की तरफ से पेश ASG राजू ने कहा कि अगर कोई रिकॉर्ड जब्त किया गया है तो वह एजेंसी ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने किया है। ममता अपने साथ गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गई थीं। हाईकोर्ट ने ED की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई भी स्थगित कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में पहले ही

याचिका लगाई जा चुकी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुनवाई होगी।

TMC पार्टी की तरफ से पेश वकील गुरुस्वामी ने कहा कि उनकी याचिका सिर्फ एक सीमित मुद्दे पर है। उनकी पार्टी का निजी राजनीतिक डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक पार्टी को डराना या दबाव में लेना ठीक नहीं है, खासकर तब जब पार्टी ने यह याचिका इस डर से दायर की कि उसके 6 साल पुराने राजनीतिक सलाहकार (कंसल्टेंट) के दफ्तर से उसका डेटा लिया जा सकता है। गुरुस्वामी ने यह भी कहा कि राज्य चुनाव से कुछ महीने पहले उनके राजनीतिक सलाहकार के ऑफिस पर छापा पड़ना संदेह पैदा करता है।

सिद्धारमैया बोले- कर्नाटक सीएम पद पर हर दिन भ्रम, राहुल गांधी स्थिति साफ करें

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक में एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी के साथ मीटिंग के दौरान सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की मौजूदगी में लीडरशिप का मुद्दा उठा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वह कैबिनेट विस्तार करना चाहते हैं, लेकिन कर्नाटक CM के पद को लेकर हर दिन भ्रम की स्थिति बन रही है। ऐसे में राहुल गांधी को CM पद की स्थिति को साफ करना चाहिए। इसी बीच बुधवार को कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने X पोस्ट में लिखा, 'भले ही कोशिश नाकाम हो जाए, लेकिन प्रार्थना नाकाम नहीं होती।' ऐसे में उनकी पोस्ट को

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने लिखा- प्रार्थना नाकाम नहीं होती

राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस लीडर राहुल गांधी 13 जनवरी को मैसुरु पहुंचे थे। इस दौरान एयरपोर्ट पर डीके शिवकुमार ने राहुल गांधी से अकेले में चर्चा की थी।

विवाद की वजह: 2.5 साल पूरे होने पर बढ़ी खींचतान: कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। शिवकुमार के समर्थक विधायकों का कहना है कि 2023 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री पद के लिए 2.5-2.5 साल की डील हुई थी, लेकिन सिद्धारमैया समर्थक इसे नकारते आए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का 20 नवंबर 2025 को 2.5 साल का कार्यकाल पूरा हुआ। तब से ही सत्ता संतुलन को लेकर बयानबाजी जारी है। कुछ विधायक जो डिप्टी CM डीके शिवकुमार के समर्थक माने जाते हैं, वे दिल्ली जाकर खड़गे से भी मिले थे। सिद्धारमैया कैबिनेट फेरबदल के पक्ष में हैं। जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी के अंदरूनी हलकों में यह भी माना जा रहा है कि यदि हाई कमान कैबिनेट विस्तार को मंजूरी देता है, तो इससे सिद्धारमैया के पूरे कार्यकाल (5 साल) तक टिके रहने का संकेत मिल सकता है, जो शिवकुमार की सीएम बनने की संभावनाओं को कम कर देगा।

भारत का राष्ट्र-निर्माण विमर्श बनाम सामाजिक यथार्थः- किसान,सांप्रदायिक हिंसा और लोकतांत्रिक परीक्षा भूमिकाः- एक समग्र विश्लेषण

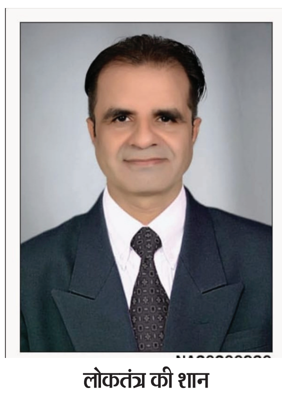

लोकतंत्र की शान

» भारत में सांप्रदायिक हिंसा 2025ः- गिरावट के आंकड़े,गहरी होती सामाजिक दरारें और लोकतंत्र के सामने नई चुनौती

» हिंसा का स्वरूप बदलना,अधिक विकेंद्रित, अनियोजित, व्यक्तिगत या भीड़-आधारित होना,समाज के भीतर गहरे अविश्वास और नफरत की निरंतर मौजूदगी को दर्शाता है- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – 14 जनवरी 2026 को दिल्ली में आयोजित पोंगल महोत्सव के मंच से भारतीय प्रधानमंत्री का यह कथन कि राष्ट्र निर्माण में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है,केवल एकसांस्कृतिक या औपचारिक वक्तव्य नहीं था, बल्कि यह भारत की आत्मा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना की ओर संकेत करने वाला राजनीतिक-वैचारिक संदेश था। पोंगल, जो कृषि, प्रकृति और श्रम के सम्मान का उत्सव है,उसी भारत का प्रतीक है जिसकी जड़ें खेतों में हैं। किंतु इसी कालखंड में प्रकाशित सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेक्युलरिज़्म (सीएसएसएस) की ताज़ा मॉनिटरिंग रिपोर्ट एक ऐसे भारत की तस्वीर पेश करती है,जहाँ सांप्रदायिक दंगों में गिरावट के बावजूद मॉब लिंचिंग, नफरत आधारित अपराध और पहचान-केंद्रित हिंसा अब भी लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है,जिसकी सामाजिक संरचना बहुधर्मी बहुभाषी और बहु सांस्कृतिक ताने-बाने से निर्मित है। ऐसे समाज में सांप्रदायिक सौहार्द केवल आंतरिक स्थिरता का प्रश्न नहीं,बल्कि वैश्विक लोकतांत्रिक विश्व के लिए एक नैतिक और राजनीतिक संकेतक भी है, इसलिए, यह लेख इन्हीं दो समानांतर सच्चाइयों,आशा और चिंता,के बीच भारत के समकालीन सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य का अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से विश्लेषण प्रस्तुत करता है।यह लेख सीएसएसएस की रिपोर्टिंग पर आधारित है इसकी सटीकता को प्रमाणित नहीं किया जा सकता। साथियों बात अगर हम कृषि और राष्ट्र-निर्माणः भारतीय सभ्यता की आधारशिला इसको समझनें की करें तोभारत में कृषि केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत संरचना है। सिंधु घाटी से लेकर आधुनिक भारत तक, किसान समाज की स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और सांस्कृतिक निरंतरता का मूल आधार रहा है।प्रधानमंत्री का पोंगल मंच से दिया गया वक्तव्य इसी ऐतिहासिक सत्य को पुनःरेखांकित करता है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो आज जब विकसित देश भी खाद्य आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मान रहे हैं,भारत का किसान- केंद्रित विमर्श उसे एक स्थायी विकास मॉडल के रूप में प्रस्तुत करता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ जैसे एफएओ और विश्व बैंक भी मानती हैं कि भारत की कृषि व्यवस्थातमाम चुनौतियों के बावजूद,वैश्विक खाद्य संकट के दौर में एक स्थिर स्तंभ बनी हुई है।पोंगल केवल तमिल संस्कृति का पर्व नहीं,बल्कि यह श्रम, प्रकृति और समुदाय केसामूहिक उत्सव का प्रतीक है। जब प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति इस पर्व के माध्यम से किसानों को राष्ट्र-निर्माण का नायक बताते हैं, तो यह संदेश केवल घरेलू नहीं बल्कि वैश्विक भी होता है। यह भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत करता है जहाँ विकास का मॉडल जमीनी स्तर से जुड़ा है। किंतु यही समावेशी सांस्कृतिक संदेश तब कमजोर पड़ता है,जब समाज के भीतर पहचान- आधारित हिंसा और नफरत की राजनीति सामाजिक ताने-बाने को चोट पहुँचाती है। सीएसएसएस की 2025 की मॉनिटरिंग रिपोर्ट के अनुसार भारत में दर्ज बड़े सांप्रदायिक दंगों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है।यह एक सकारात्मक संकेत है और इसे कानून- व्यवस्था में सुधार,त्वरित प्रशासनिक हस्तक्षेप और न्यायिक सक्रियता से जोड़ा जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर यह भारत के लिए एक राहतकारी आंकड़ा है, क्योंकि लंबे समय से वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा भारत में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं। किंतु रिपोर्ट का दूसरा पक्ष अधिक चिंताजनक है हिंसा समाप्त नहीं हुई है, बल्कि उसने नए, अधिक विकेंद्रीकृत और अप्रत्याशित रूप धारण कर लिए हैं।मॉब लिंचिंगः- भीड़ का उभार और राज्य की परीक्षा मॉब लिंचिंग आधुनिक लोकतंत्र की सबसे भयावह विफलताओं में से एक मानी जाती है। भारत में यह हिंसा अक्सर अफवाह,पहचान और सामाजिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित होती है।सीएसएसएस रिपोर्ट बताती है कि 2025 में मॉब लिंचिंग की घटनाएँ भले ही बड़े दंगों की तरह सुर्खियों में न रही हों, लेकिन उनकी सामाजिक क्षति कहीं अधिक गहरी रही है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार विमर्श में मॉब लिंचिंग को अनऑफिशियल जस्टिस सिस्टम के रूप में देखा जाता है, जहाँ राज्य की वैधता और कानून का शासन सीधे चुनौती के घेरे में आ जाता है।नफरत आधारित अपराधः- वैश्विक प्रवृत्ति,भारतीय संदर्भ नफरत आधारित अपराध केवल भारत की समस्या नहीं हैं।अमेरिका यूरोप और एशिया के कई हिस्सों में यह एक उभरती वैश्विक प्रवृत्ति है। किंतु भारत में इसकी जटिलता इस कारण बढ़ जाती है क्योंकि यहाँ पहचान, धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र, इतिहास से गहराई से जुड़ी हुई है। सीएसएसएस रिपोर्ट के अनुसार 2025 में नफरत अपराधों का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया से उपजी गलत सूचनाओं और राजनीतिक ध्रुवीकरण से जुड़ा रहा। यह स्थिति भारत के डिजिटल लोकतंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है।पहचानः-आधारित हिंसा और सामाजिक विखंडन पहचान- केंद्रित हिंसा का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह समाज को स्थायी रूप से विभाजित कर देती है। किसान, मजदूर और निम्न- आय वर्ग,जिनका राष्ट्र- निर्माण में सबसे बड़ा योगदान है, वही वर्ग अक्सर ऐसी हिंसा का शिकार बनता है। यह विरोधाभास भारतीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांत,समानता और बंधुत्व को कमजोर करता है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि यदि पहचान-आधारित हिंसा पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया गया, तो यह आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता दोनों को प्रभावित कर सकती है। साथियों बात अगर हम राज्य, नीति और नैतिक जिम्मेदारी इसको समझने की करें तो, प्रधानमंत्री का किसान- सम्मान संदेश तभी सार्थक होगा जब राज्य समान रूप से हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करे।सीएसएसएस रिपोर्ट अप्रत्यक्ष रूप से यह सवाल उठाती है कि क्या कानून का कार्यान्वयन हर स्तर पर निष्पक्ष है।अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानकों के अनुसार, हिंसा की रोकथाम केवल पुलिसिंग का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा,सामाजिक संवाद और राजनीतिक जिम्मेदारी का भी प्रश्न है। भारत के लिए यह एक निर्णायक मोड़ है,या तो वह अपने विकास मॉडल को सामाजिक न्याय के साथ जोड़े, या फिर आर्थिक प्रगति के बावजूद सामाजिक असंतोष से जूझता रहे। साथियों बात अगर हम वैश्विक छवि और भारत की सॉफ्ट पावर इसको समझने की करें तो,भारत आज स्वयं को विश्व गुरु, ग्लोबल साउथ के नेता और लोकतांत्रिक आदर्श के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। किसान-केंद्रित सांस्कृतिक आयोजनों और विकासशील अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द इसकी सॉफ्ट पावर का अहम हिस्सा है। किंतु मॉब लिंचिंग और नफरत अपराधों की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस छवि को नुकसान पहुँचाती हैं। सीएसएसएस जैसी रिपोर्टें वैश्विक नीति- निर्माताओं और निवेशकों के लिए संकेतक बन जाती हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि एक समग्र राष्ट्र- निर्माण की आवश्यकता,14 जनवरी 2026 को पोंगल मंच से दिया गया प्रधानमंत्री का वक्तव्य भारत की आत्मा की आवाज़ है, एक ऐसा भारत जो किसान, श्रम और प्रकृति के सम्मान पर खड़ा है।किंतु सीएसएसएस की 2025 की रिपोर्ट यह याद दिलाती है कि राष्ट्र-निर्माण केवल आर्थिक या सांस्कृतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सुरक्षा की भी कसौटी है। जब तक किसान की मेहनत और नागरिक की सुरक्षा समान रूप से संरक्षित नहीं होंगी, तब तक भारत का राष्ट्र-निर्माण अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भी भारत की सफलता इसी संतुलन में निहित है,विकास के साथ मानवीय गरिमा, और सांस्कृतिक गर्व के साथ सामाजिक सद्भाव।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

किसान कर्ज में डूब रहा हैं और भाजपा सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है !

लेखक-उमंग

कर्ज में डूबे किसान, उत्सव मना रही सरकारः मध्य प्रदेश में कल्याण वर्ष की सच्चाई सब कुछ लुटा के होश में आये तो क्या किया। दिन में अगर चरा$ग जलाये तो क्या किया। ये पंक्तियाँ आज मध्य प्रदेश की कृषि स्थिति पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं। भाजपा सरकार ने 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में ट्रैक्टर रैली निकालकर इसका शानदार उद्घाटन किया, लेकिन यह घोषणा 22 साल की सत्ता के बाद आई है। क्या इतने सालों में किसानों की याद नहीं आई? पिछले दो दशकों में भाजपा ने किसानों को जिस कगार पर पहुँचा दिया है, उसे ठीक करने में दशक लगेंगे। यह कल्याण वर्ष महज चुनावी जुमला लगता है, जबकि हकीकत में किसान बीज, खाद, पानी, बिजली, मंडी और एमएसपी जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सरकार के समर्थन से बिचौलिये किसानों के हक छीन रहे हैं, और किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। इस अभियान के तहत सरकार 30 लाख किसानों को सोलर वितरण करेगी। रूस्क्क के बजाए भावांतर योजना को बढ़ाने की बात कर रही हैं। प्राकृतिक खेती जैसे कामों को बढ़ावा देने की बात कर रही हैं। जबकि मूल समस्या पर कोई चर्चा नहीं। मध्य प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है, लेकिन किसानों की हालत दयनीय है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के किसानों की औसत मासिक आय राष्ट्रीय औसत से 2,000 रुपये कम है। 2018-19 के सर्वे में यह आय 8,339 रुपये थी, और 2023-25 तक इसमें सुधार नहीं हुआ। राष्ट्रीय औसत 10,218 रुपये है, लेकिन मध्य प्रदेश में किसान गरीबी की मार झेल रहे हैं। लागत बढ़ रही है, लेकिन फसल का दाम नहीं मिलता। एमएसपी के नाम पर सरकार भावांतर भुगतान योजना चला रही है, जो किसानों से ज्यादा बिचौलियों को फायदा पहुँचा रही है। योजना की घोषणा के बाद ही बाजार में सोयाबीन की कीमतें गिर गईं। किसान संगठनों का आरोप है कि व्यापारी कीमतों में हेरफेर करते हैं, और योजना में देरी से भुगतान होता है। 2025 में योजना के तहत 3.77 लाख सोयाबीन किसानों को 810 करोड़ रुपये दिए गए, लेकिन कई किसान शिकायत करते हैं कि मॉडल मूल्य वास्तविक बिक्री मूल्य से मेल नहीं खाता। परिवहन लागत जोड़ें तो छोटे किसान घाटे में रह जाते हैं। कम आय का सीधा असर कर्ज पर पड़ता है। प्रदेश के हर किसान पर औसतन 1.84 लाख रुपये का कर्ज है। संसद में मोदी सरकार ने हालिया सत्र में बताया कि 92.49 लाख किसानों पर कुल 1.69 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, जो हर साल 10-12 प्रतिशत बढ़ रहा है। 2023-25 के आंकड़ों से पता चलता है कि कर्ज का बोझ किसानों को तोड़ रहा है। फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) भी मजाक बन गई है। किसानों से प्रीमियम के रूप में करोड़ों वसूले जाते हैं, लेकिन क्लेम मिलते हैं नाममात्र। योजना के तहत मध्य प्रदेश में 2022-23 से 2024-25 तक 25 लाख से ज्यादा किसानों ने आवेदन किए, लेकिन क्लेम सेटलमेंट रेशियो राष्ट्रीय औसत से कम है। कंपनियाँ करोड़ों कमाती हैं, जबकि किसान 100 रुपये के क्लेम पर लड़ते हैं। 2023 में कुल क्लेम 1.72 लाख करोड़ रुपये देशभर में दिए गए, लेकिन मध्य प्रदेश में कई किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिला। देरी के कारण किसान और कर्ज में डूब जाते हैं। यह सब किसानों को मौत की ओर धकेल रहा है। एनसीआरबी की 2025 रिपोर्ट (2023 डेटा) के अनुसार, मध्य प्रदेश में 777 किसानों ने आत्महत्या की, यानी हर रोज दो से ज्यादा। 2022 में यह संख्या 641 थी। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बाद मध्य प्रदेश तीसरा सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। जलवायु परिवर्तन, सूखा, फसल नुकसान और कर्ज ने किसानों को मजबूर किया है। कांग्रेस सरकार ने 2019 में जय किसान फसल ऋण माफी योजना के तहत 27 लाख छोटे किसानों का कर्ज माफ किया था, कुल 11,675 करोड़ रुपये। बाकी किसानों के भी $कज़र् मा$फ होते अगर भाजपा षड्यंत्र कर जनता के साथ धोखा नहीं करती। और सत्ता में आते ही भाजपा ने यह योजना बंद कर दी। यह बात सा$फ ज़ाहिर होती है कि भाजपा किसानों से ज़्यादा व्यापारियों और बिचौलियों को तरजीह देती हैं। वहीं दूसरी तरफ किसान कर्ज के जाल में फंसते चले जा रहे हैं। सरकार की लापरवाही का एक और उदाहरण है मध्य प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम। फसल खरीदी की जिम्मेदारी वाला यह निगम 62,944 करोड़ रुपये के कर्ज में डूबा है।

लोकतंत्र देश के आर्थिक विकास का पैमाना

» मजबूत राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ते कदम

लोकतंत्र की शान

आजादी के 77 वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन अपनी बाट जोह रहा है। लोकतंत्र की यथार्थ सीमाओं में वित्तीय विकास और प्रयास, हमे वैश्विक स्थापना प्रदान करते हैं।आर्थिक विकास के बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत आधार स्तम्भ नहीं दे सकतीं हैं। मजबूत वित्तीय प्रबंधनऔर संवैधानिकता की जुगलबन्दी जी देश के चहुमुखी विकास को मूर्तरूप दे सकतें हैं। हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2024 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है। वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहाद्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 141 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहाद्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया। वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए। संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया। हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा। केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है। गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती है। हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगा। यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है। भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है। जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है। इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है। जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैं। 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैं। हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है । भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है। संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है। सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही है। आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी है। भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार,बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी है। हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित है। महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया है। पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई है। इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गया। भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,9009 415 415

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

लेखक- सुनील कुमार महला

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है।दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरुआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरुआत का भी साक्षी बनता है।

पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज़ से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिज़र्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।भारतीय सेना का मुख्य दायित्व देश की स्थल सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, आतंकवाद व उग्रवाद से मुकाबला करना तथा आपदा के समय नागरिकों की सहायता करना है। यह सेना दुनिया के सबसे कठिन और ऊँचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करती है, जो समुद्र तल से लगभग 5000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ अत्यंत विषम जलवायु परिस्थितियों में भी सैनिक निरंतर तैनात रहते हैं। इसके अतिरिक्त रेगिस्तान, घने जंगलों और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारतीय सेना प्रभावी रूप से कार्य करती है। वैश्विक स्तर पर भारतीय थल सेना अपनी रणनीतिक क्षमता, अनुशासन और युद्ध अनुभव के लिए जानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक सैनिक यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस में भेजे हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति है, जिसमें केवल अमेरिका, रूस और चीन भारत से आगे हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान देश के राष्ट्रपति के पास होती है, जो संविधान के अनुसार इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। सेना की इंजीनियरिंग दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण लद्दाख के द्रास और सुरु नदियों के बीच निर्मित बेली ब्रिज है, जिसे अगस्त 1982 में सेना ने बनाया था और जिसे विश्व के सबसे ऊँचे पुलों में गिना जाता है।

भारतीय थल सेना का आदर्श वाक्य 'सेवा परमो धर्मः' है, जिसका अर्थ है-सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। यही वाक्य सेना के कर्तव्यबोध, निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का मूल आधार है। 'सर्विस बिफोर सेल्फ' सेना की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर सैनिक प्रशिक्षण और व्यवहार में आत्मसात करता है। हाल के वर्षों में सेना दिवस समारोहों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाने लगा है। गौरतलब है इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में भारत अपना 78वाँ सेना दिवस मना रहा है, जिसकी मुख्य परेड जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की जा रही है। अब परंपरा यह बन चुकी है कि परेड दिल्ली से बाहर विभिन्न शहरों में आयोजित की जाए, ताकि सेना और जनता के बीच जुड़ाव और अधिक सशक्त हो। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष सेना दिवस की एक विशेष थीम भी निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-'समर्थ भारत, सक्षम सेना', और उसी वर्ष भारत सरकार ने 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित किया था, जिसका उद्देश्य थिएटर कमांडों का एकीकरण, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देना था।

हरमनप्रीत यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं

ये हैं डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार (14 जनवरी) को बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह लीग के इतिहास में 1000 रन बनाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। ओवरऑल नट साइवर-ब्रंट के बाद दूसरी खिलाड़ी बनीं। हरमनप्रीत ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ 193 रनों का टारगेट चेज करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 36 साल की इस खिलाड़ी ने 43 गेंदों में 71 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेलकर मुंबई इंडियंस को सात विकेट से जीत दिलाई। यूपी वॉरियर्स की कप्तान मेग लेनिंग भी 1000 रन पूरा करने के करीब हैं। एलिस पेरी के भी 950 से ज्यादा रन हैं, लेकिन वह इस साल लीग का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो शैफाली वर्मा ने 887 रन बनाए हैं। स्मृति मंधाना ने 711 रन बनाए हैं।

ठंड, गंदगी और अस्वस्थ माहौल, इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर फिर भड़कीं मिया ब्लिचफेल्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर भारत में आयोजित इंडिया ओपन सुपर 750 के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नए वेन्यू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट होने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माहौल

ब्लिचफेल्ट ने कहा कि स्टेडियम में हालात गंदे और अस्वस्थ हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल भी पेशेवर नहीं कहे जा सकते। उनके मुताबिक, अत्यधिक ठंड के कारण खिलाड़ी दो-दो लेयर के कपड़े, जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनकर वार्म-अप करने को मजबूर हैं।

वार्म-अप में आ रही दिक्कत- उन्होंने बताया कि इतनी ठंड में सही तरीके से वार्म-अप करना मुश्किल हो जाता है, जबकि खिलाड़ियों को कोर्ट पर तेज मूवमेंट और स्प्लिट्स जैसे कठिन मूव्स करने होते हैं। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि यह एलिट खिलाड़ियों की तैयारी के लिए बिल्कुल सही माहौल नहीं है।

पिछले साल जैसी ही शिकायत- मिया ने साफ कहा कि उन्होंने पिछले साल केडी जाधव हॉल में भी इसी तरह की शिकायतें की थीं और इस साल भी स्थिति लगभग वैसी ही है।

उन्होंने बताया कि वार्म-अप कोर्ट में पक्षी उड़ते नजर आए और कोर्ट पर गंदगी भी थी, जो बेहद अस्वस्थ स्थिति को दर्शाता है।

ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट आयोजकों, भारतीय बैडमिंटन संघ और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन से हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एक प्रोफेशनल खेल है और खिलाड़ियों की सेहत से समझौता नहीं होना चाहिए।

कंधे की चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से

हटे कॉककिनाकिस

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस ने बुधवार को दाहिने कंधे में चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया, जिससे उनके विरोधी वैलेंटीन वैचेरोट को वॉकओवर मिल गया। नतीजतन, 2025 शंघाई चैंपियन वैचेरोट क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। यह मोनेगास्क खिलाड़ी अब या तो टॉप सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा का सामना करेंगे।

डेविडोविच फोकिना बुधवार शाम को सेंटर कोर्ट पर हिजिकाटा से खेलेंगे। कोकिनाकिस ने सोमवार शाम एकल मुकाबलों में लंबे इंतजार के बाद दमदार वापसी की। पेक्टोरल मांसपेशी की पुरानी समस्या के चलते सर्जरी कराने के बाद वह करीब 12 महीनों से टेनिस से दूर थे। घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी को मैच के दौरान कंधे की चोट ने फिर परेशान किया, लेकिन दर्द को दरकिनार करते हुए उन्होंने एडिलेड इंटरनेशनल में लगभग एक साल बाद अपने पहले एकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछले साल 15 जनवरी के बाद अपने पहले सिंगल्स मैच में, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दर्द के बावजूद अपना वापसी मैच पूरा किया। फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया, लेकिन पूरे मैच के दौरान उन्हें अपने दाहिने कंधे में साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। कोकिनाकिस ने अपने मैच के बाद कहा, 'यह मुश्किल है। जाहिर है, सर्व करने की वजह से मेरे दाहिने हाथ ने मेरे पूरे करियर में मुझे परेशान किया है।

बहुत सारे 'अगर ऐसा होता तो क्या होता' वाले सवाल हैं, खासकर मेरे दिमाग में, अगर मुझे इससे परेशानी नहीं होती। मुझे पता है कि छोटी-मोटी चोटें यहां-वहां सामान्य हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जिस दौर से गुजरा हूं, वह थोड़ा असामान्य है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह मानसिक रूप से मुश्किल है। मैंने पूरा साल रिहैब में बिताया, इसे ठीक करने की कोशिश की। मेरी सर्जरी हुई थी। यह पिछले साल के दर्द से थोड़ा अलग था। मैं देखूंगा कि कल सुबह कैसा महसूस करता हूं। लेकिन, हां, यह मुश्किल है। यह निश्चित रूप से जीत का मजा किरकिरा कर देता है। पिछले फरवरी में, कोकिनाकिस के दाहिने पेक्टोरल मांसपेशी और कंधे की सर्जरी हुई थी।

अब स्लो बैटिंग नहीं चलेगी!

टी20 में रिटायर्ड आउट का दौर, 13 दिन में

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में नया ट्रेंड देखने को मिला है। 2026 में 13 दिन के अंदर 7 खिलाड़ी रिटायर्ड आउट हुए हैं। इसका ताजा मामला मंगलवार (13 जनवरी) को विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में डीवाई पाटिल स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात जायंट्स की पारी के दौरान देखने को मिला। आयुषी सोनी इस लीग में रिटायर्ड आउट होने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। सोनी के रिटायर होने के बाद मैदान पर आईं भारती फुलमाली ने 15 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 36 रन बनाए। जॉर्जिया वेयरहम के साथ उनकी 56 रन की पार्टनरशिप की बदौलत गुजरात जायंट्स का स्कोर 5 विकेट पर 192 रन तक पहुंच गया। इससे पहले सोनी नंबर 6 पर बैटिंग करने आईं और रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। वह 14 गेंदों पर 11 रन बनाकर खेल रही थीं और उन्होंने एक भी बाउंड्री नहीं लगाई थी। 16वें ओवर के आखिर में जायंट्स ने उन्हें रिटायर्ड आउट किया उस समय स्कोर 5 विकेट पर 136 रन था।

मेंस एचआईएल: बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को 5-3 से हराया

जुगराज सिंह की हैट्रिक

रांची, एजेंसी। मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 में जुगराज सिंह ने इस सीजन की अपनी पहली हैट्रिक लगाकर श्राची बंगाल टाइगर्स को अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ 5-3 से शानदार जीत दिलाई। मंगलवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ बंगाल टाइगर्स 7वें पायदान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इसी के साथ टीम ने अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने तेज शुरुआत की। अभिषेक ने गोल पर पहला असली शॉट लगाया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। हालांकि, बचाव करते समय एक गलती के कारण अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक दे दिया। जुगराज सिंह गोलपोस्ट पर दिग्गज डेविड हार्ट के सामने थे। उन्होंने गेंद को नीचे और तेजी से मारकर गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया। 11वें मिनट तक टाइगर्स ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी।

1-0 की बढ़त ने टाइगर्स को बेहतर स्थिति में ला दिया था। हालांकि, दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिसमें ड्रैगन्स ने बराबरी की पूरी कोशिश की और उनके लिए उत्तम सिंह ने आक्रमण की अगुवाई की, लेकिन वे अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सके। हाफटाइम पर टाइगर्स के कोच वैलेंटिन आल्टेनबर्ग खुश नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस मैच में कई चीजें बेहतर कर सकती है।

हालांकि 36वें मिनट में ड्रैगन्स को पेनाल्टी कॉर्नर से एड्रोहित के गोल के जरिए सफलता मिली, लेकिन यह क्वार्टर पूरी तरह टाइगर्स के नाम रहा। जुगराज सिंह ने 43वें और 45वें मिनट में गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद टाइगर्स 4-1 की बढ़त पर थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में उन्होंने ड्रैगन्स को वापसी का मौका दे दिया। ड्रैगन्स ने 48वें और 51वें मिनट में थॉमस सोर्सबी और ब्लेक गोवर्स के गोल से मुकाबले को 4-3 कर दिया। अंतिम मिनटों में वीडियो रेफरल के चलते मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया, जिसमें टाइगर्स को बढ़त मिली। 55वें मिनट में मिला पेनाल्टी कॉर्नर टाइगर्स की जीत में निर्णायक साबित हुआ। अभिषेक ने शानदार वैरिएशन पर गोल किया। इंजेक्शन के बाद उन्होंने खुद को सही जगह पर रखते हुए टॉम ग्रामबुश के ड्रैगफ्लिक से मिले डिफ्लेक्शन को गोल में तब्दील किया।

● खेत से मैदान तक के संघर्ष की कहानी

जिस खेल को लोग समझते हैं मामूली, उसी ने बदली अक्षय पाटिल की जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब खेतों में हल चलाने वाले हाथ रस्सी थामकर देश का नाम रोशन करें, तो समझिए कि किस्मत भी मेहनत के आगे झुक जाती है। सुबह की पहली किरण जब खेतों पर पड़ती है, तब मिट्टी से उठती सौंधी खुशबू में पसीने की महक भी घुली होती है। यही पसीना किसी दिन खेल मैदान में ताकत बन जाता है और वही ताकत किसी परिवार की किस्मत बदल देती है। बर्फ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड मेडलः भाई को खोया, पिता का सहारा बने; हर युवा को प्रेरित करेगी राजा दास की संघर्षगाथा कोल्हापुर के एक छोटे से गांव में जन्में अक्षय पाटिल की कहानी कुछ ऐसी ही है। जहां गरीबी, जिम्मेदारियां और हालात एक साथ खड़े थे, लेकिन उनके सामने खड़ा था एक मजबूत इरादा। जिस रस्साकशी को लोग आज भी गांव-मेले का मामूली खेल समझते हैं, उसी खेल ने अक्षय पाटिल को पहचान दी, रोजगार दिया और अपने परिवार को सम्मान की जिंदगी देने का अवसर दिया।

गांव के अखाड़े से राष्ट्रीय मंच तक

गांव में रस्साकशी कोई नई चीज नहीं थी। मेलों में, त्योहारों में, प्रतियोगिताओं में यह खेल हमेशा लोगों का मनोरंजन करता रहा है, लेकिन अक्षय ने इसे मनोरंजन से आगे बढ़ाकर लक्ष्य बना लिया। सुबह खेतों में काम, दोपहर को स्कूल और शाम को अभ्यास, यही उनकी दिनचर्या बन गई।

व्यापार

जीएसटी 2.0 से ऑटो उद्योग को मिला बूस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 ऐतिहासिक साबित हुआ है। जीएसटी 2.0 के लागू होने, कीमतों में कमी और त्योहारी सीजन के दौरान मजबूत मांग के चलते यात्री वाहनों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। थोक स्तर पर 44.89 लाख से अधिक यात्री वाहन बिके, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे साफ है कि ऑटो उद्योग ने धीमी शुरुआत के बाद साल के अंत तक जबरदस्त रफ्तार पकड़ी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के मुकाबले करीब पांच फीसदी बढ़ी है। 2024 में जहां 42,74,793 यात्री वाहन बिके थे, वहीं 2025 में यह आंकड़ा 44.89 लाख के पार चला गया। जीएसटी दरों में कटौती से वाहनों की कीमत घटी, जिससे मध्यम वर्ग और शहरी ग्राहकों की खरीदारी बढ़ी। त्योहारी महीनों में मांग ने उद्योग को मजबूत सहारा दिया। यूटिलिटी वाहनों की मांग सबसे ज्यादा मजबूत रही। इस सेगमेंट की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 29,54,279 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले यह 27,49,932 इकाई थी। वहीं, यात्री कारों की बिक्री में मामूली 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 13,79,884 कारें बिकीं। वैन की बिक्री भी 1.1 फीसदी बढ़कर 1,55,554 इकाई तक पहुंची। इससे साफ है कि ग्राहक ज्यादा स्पेस और फीचर्स वाले वाहनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। सिर्फ घरेलू बाजार ही नहीं, बल्कि निर्यात के मोर्चे पर भी 2025 ऑटो उद्योग के लिए बेहतर रहा। सभी श्रेणी के वाहनों के निर्यात में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 26.8 फीसदी बढ़कर 3,99,216 इकाई पहुंच गई, जो साल की सबसे ऊंची मासिक बिक्री रही। इसी महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री 39 फीसदी और तिपहिया वाहनों की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत में ऑटो सेक्टर आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों से जूझ रहा था। लेकिन आयकर राहत, रेपो दर में कटौती और जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों ने मांग को मजबूत किया। जीएसटी दरों में कटौती से वाहन सस्ते हुए और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा। तिपहिया वाहनों की बिक्री 8 फीसदी बढ़कर 7,88,429 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 8 फीसदी बढ़कर 10,27,877 इकाई पहुंच गई।

क्या वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद 7 प्रतिशत से ऊपर रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 7.3 से 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। वहीं वित्त वर्ष 2027 में विकास दर थोड़ी घटकर करीब सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आकलन कंसल्टेंसी फर्म ग्रांट थॉर्नटन भारत ने बुधवार को जारी किया। सेवा और विनिर्माण क्षेत्र ने दिखाया मजबूत प्रदर्शन इससे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की प्रथम अग्रिम अनुमानों में कहा गया था कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 6.5 प्रतिशत के मुकाबले काफी बेहतर है। सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन के चलते भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए रखने में सफल रहा है। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और आर्थिक सलाहकार सेवा प्रमुख ऋषि शाह ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए गए टैरिफ और अन्य वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष में 7.3 से 7.5 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान उचित है है, जबकि 2026-27 में यह 6.7 से 7 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। शाह ने वैश्विक भू-राजनीतिक हालात को अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा दबाव बिंदु बताया। उनके मुताबिक दक्षिण अमेरिका और पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रम सप्लाई चेन के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी नीति फैसले का वास्तविक असर कई वर्षों बाद सामने आता है, ऐसे में भारत को वैश्विक स्तर पर चल रही नई औद्योगीकरण की लहर में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

कैश ऑन डिलीवरी से क्रेडिट कार्ड तक का सफर; ऑनलाइन खरीदारी ने बदली भुगतान की आदतें

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दशक पहले तक औसत भारतीय उपभोक्ता डिजिटल पेमेंट को लेकर उत्सुक तो था, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त नहीं। ऑनलाइन खरीदारी का सबसे भरोसेमंद जरिया तब भी कैश ऑन डिलीवरी यानी डिलीवरी के समय भुगतान ही था, जो इंटरनेट पर लेनदेन को लेकर बनी आशंकाओं के बीच एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता था। लेकिन समय के साथ यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई।जैसे-जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने डिजिटल वॉलेट, यूपीआई, डेबिट कार्ड और बाय नाउ, पे लेटर जैसे विकल्पों का सहज और सुरक्षित इकोसिस्टम तैयार किया, वैसे-वैसे उपभोक्ताओं की सोच भी बदली। डिजिटल पेमेंट अब जोखिम नहीं, बल्कि सुविधा बन गया। इस बदलाव का असर सिर्फ चेकआउट प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहा। ई-कॉमर्स ने औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच को भी लोकतांत्रिक बनाया। छोटे मोबाइल रिचार्ज के लिए वॉलेट और स्मार्टफोन खरीदने के लिए क्रेडिट विकल्प इनके बीच सहज रूप से स्विच करने की आदत ने लाखों भारतीयों को एक विविध वित्तीय टूलकिट से परिचित कराया। नई इंडस्ट्री रिपोर्ट्स इस बदलाव की पुष्टि करती हैं। वित्त वर्ष 2025 में रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन वॉल्यूम

में 35 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सबसे अहम बात यह है कि अब लगभग 90 प्रतिशत उपभोक्ता ऑनलाइन खरीदारी के लिए डिजिटल भुगतान को ही प्राथमिकता देते हैं। ये आंकड़े हाउ अर्ब इंडिया पेज 2025 रिपोर्ट से सामने आए हैं, जिसे किर्नी और अमेजन पे ने मिलकर तैयार किया है। 120 शहरों में 6,000 से ज्यादा उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन से साफ होता है कि ऑनलाइन बनी आदतें अब ऑफलाइन व्यवहार को भी दिशा दे रही हैं। किर्नी इंडिया में पार्टनर और फाइनेंशियल सर्विसेज लीड शाश्वत शर्मा कहते हैं कि जेन जी और मिलेनियल्स भारत में क्रेडिट अपनाने की परिभाषा बदल रहे हैं। करियर की शुरुआत में ही क्रेडिट कार्ड लेना अब सामान्य हो गया है। और समावेशी वित्तीय उत्पादों के निर्माण में है। जैसे-जैसे उपभोक्ता बेसिक पेमेंट से आगे बढ़कर क्रेडिट-आधारित खर्च की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे खर्च की प्रकृति भी बदल रही है। रिपोर्ट बताती है कि रोजमर्रा के छोटे खर्चों में अभी भी कैश और यूपीआई का दबदबा है।

नई पीढ़ी ने बदला भुगतान का तरीका

यह ट्रेंड खास तौर पर जेन जी और मिलेनियल्स के बीच तेजी से बढ़ा है। अध्ययन बताता है कि 65 प्रतिशत युवा प्रोफेशनल्स ने अपनी पहली नौकरी शुरू करने के तुरंत बाद क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन किया। बल्कि एक रणनीतिक वित्तीय टूल है। जहां कुछ लोग इसका इस्तेमाल लाइफस्टाइल अपग्रेड के लिए करते हैं, वहीं 43 प्रतिशत उपभोक्ता इसे फाइनेंशियल फ्लेक्सिबिलिटी और प्लानिंग के लिए अपनाते हैं।

10 मिनट में डिलीवरी स्कीम खत्म होने से कंपनियों के मार्जिन पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने क्विक कॉमर्स सेक्टर को लेकर अपने ताजा आकलन में बड़ा संशोधन किया है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में यूबएस ने जोमैटो और ब्लिंकिट की पैरेंट कंपनी इटरनल के क्विक कॉमर्स से जुड़े ईबीआईटीडीए मार्जिन अनुमानों में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 15-20 फीसदी की कटौती की है। वहीं स्विगी के क्विक कॉमर्स मार्जिन को भी 100-120 आधार अंकों को घटाया गया है।

यह संशोधन ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले सरकार ने प्रमुख डिलीवरी एग्रीगेटर्स से अनिवार्य 10 मिनट डिलीवरी डेडलाइन हटाने को कहा था। यूबीएस का कहना है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्लेटफॉर्म्स पर अधिक छूट के चलते क्विक कॉमर्स सेगमेंट में मार्जिन रिकवरी अब कुछ तिमाहियों तक टल सकती है। हालांकि, यूबीएस ने यह भी स्पष्ट किया कि स्विगी के ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) और नेट ऑर्डर वैल्यू (एनओवी) के अनुमान मोटे तौर पर जस के तस रखे गए हैं, जबकि इटरनल के जीओवी और एनओवी अनुमानों में हल्की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, फूड डिलीवरी बिजनेस के लिए वित्त वर्ष 2028 में जीओवी, एनओवी और एडजस्टेड ईबीआईटीडीए के अनुमान भी लगभग अपरिवर्तित रखे गए हैं। कमजोर ईबीआईटीडीए आउटलुक को देखते हुए यूबीएस ने दोनों कंपनियों के शेयरों के लिए अपने टारगेट प्राइस भी घटा दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)